मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास

आशीष अनचिन्हार

विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका (विदेह www.videha.co.in) पेटारसँ

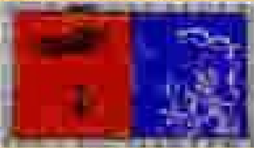


Videha e-Learning

Gajendra Thakur



विदेह मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम्






"A History of Web Journalism in Maithili" by Ashish Anchinhar (in Maithili) from Videha www.videha.co.in Archive.

मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास

आशीष अनचिन्हार

समर्पण

सिरजनहारकैं

एहि पोथीक सम्बन्धमे किछु तकनीकी गप्प----

1) समग्र रूपमे एखन धरि मैथिली वेब पत्रिकारितापर कोनो पोथी नै आएल अछि आ ताहि संदर्भमे एहि विषयक ई पहिल पोथी अछि। हँ, पत्रिकाक आलेख रूपमे कतेको वेब संबंधी आलेख आबि चुकल अछि। अंतिका पत्रिकाक "अंतर्जाल विशेषांक" सेहो आएल अछि जकर अंक संयुक्तांक रूपमे अक्टूबर-दिसम्बर 2009, जनवरी-मार्च 2010 मे प्रकाशित भेल रहै। एहि विषयपर पहिल पोथी हेबाक कारणे एकर रूप अति लघु अछि आ कोनो रूपसँ ई इतिहासक पोथी नै बुझाइत अछि मुदा एहि संसारमे खाली रूपे रंग वा आकारे प्रकार काज नै अबैत छै। किछु काज गुण सेहो करैत छै आ से पाठककेँ एहि लघु पोथीक गुण पढ़ि कऽ पता चलतनि। मैथिलीमे 100 पन्नाक पोथीपर जोर रहै छै पुरस्कारक नियम हिसाबें आ ताही लेल विषयसँ हटि कऽ सेहो तथ्य देबाक बाध्यता भऽ जाइत मुदा हमरा लग पुरस्कारक बाध्यता नै अछि तँइ हमरा पोथीमे 100 पन्ना पुरेबाक बाध्यता सेहो नै अछि। विषयक अनुरूप हम 1000 पन्ना लेल सेहो तैयार रहै छी मुदा जँ विषय 40 पन्ना चाहत तँ 40 पन्नापर पोथी खत्म करै छियै।

2) ई पोथी हमर विकीपीडिया पेज "इंटरनेटक संसारमे मैथिली" केर संशोधित आ विस्तारित रूप अछि। एहि विकिपीडिया पेजक लिंक ई अछि-- https://mai.wikipedia.org/s/iq1

3) एहि पोथीमे जे मैथिली वेब पत्रिकारिताक प्रारंभिक स्वरूप फड़िछाएल गेल अछि से विदेहक अंक 230 (15/7/2017)मे "कतेक रास बात" इंटरनेटपर मैथिलीक पहिल उपस्थिति नै अछि" केर शीर्षकसँ प्रकाशित भेल अछि।

4) इंटरनेटक बहुत रूप छै जेना वेबसाइट, ब्लाग, पोर्टल, ह्वाट्सएप आ अन्य सोशल मीडिया। कियो कहता जे वेबसाइट रूपमे हमर पहिल अछि तँ कियो कहता ब्लाग रूपमे हमर पहिल अछि मुदा ई पोथी हम इंटरनेटपर फोकस केने छी ओकर कोनो खास रूपपर नै। तँइ हमरा नजरिमे जे तारीखक हिसाबसँ पहिल हेतै तकरे पहिल मानल जेतै चाहे ओ वेबसाइट रूपमे हो कि ब्लाग रूपमे कि पोर्टल सहित आन कोनो रूपमे। एहन तँ नै छै जे ब्लागपर देलासँ न्यूज नै रहै छै आ पोर्टलपर देलासँ न्यूज बनि जाइत छै। माध्यम कोनो हो ओकर स्रोत इंटरनेट हेबाक चाही। जेना प्रिंटक क्षेत्रमे होइ छै मने चाहे लुगदी कागजपर छपल हो कि एकदम कड़कड़ौआ कागजपर कि आन कोनो कागजपर ओकरा प्रिंटक रूप मानल जाइत छै तेनाहिते वेबसाइट हो कि ब्लाग, पोर्टल, ह्वाट्सएप वा अन्य सोशल मीडिया सभ इंटरनेट छै। हँ कियो आन अलगसँ मैथिली वेबसाइट केर इतिहास लीखि सकै छथि वा मैथिली ब्लाग केर इतिहास लीखि सकै छथि आ ताहिमे अपन अपन रूपकेँ पहिल वा दोसर

कहि सकै छथि मुदा जखन समग्र इंटरनेटक बात एतै तखन पहिल ओ हेतै जकर तारीख पहिनेक हो आ से वेबसाइट रूपमे हो कि ब्लाग रूपमे कि पोर्टल सहित आन कोनो रूपमे।

5) एखन मैथिलीमे सैकड़ाक संख्यामे ब्लाग-वेबसाइट अछि। जँ फेसबुक ग्रुप आदि सेहो जोड़ब तँ ई संख्या हजारमे सेहो पहुँचत। एहिमे बहुत एहन अछि जे कि मात्र व्यक्तिगत रूपमे लोक सभ द्वारा बनाएल गेल अछि। बहुत वेबसाइट संस्था सभहँक अछि। जँ हम सभ वेबसाइटक-ब्लाग आदिक विवरण ली तँ ई एकटा असाध्य काज हएत कारण दिनानुदिन बहुतो ब्लाग-वेबसाइट खुजैए बहुतो बंद होइए आ बहुतोपर कोनो सक्रियता नै भऽ रहल अछि। एहन स्थितिमे हम ओहन सेलेक्टिभ ब्लाग-वेबसाइट आदिक विवरण देलहुँ अछि जकर काज मैथिली लेल माइलस्टोन साबित भेल आ जे हमरा जानकारीमे अछि। ओहन सभ ब्लाग-वेबसाइटक विवरण एहि पोथीमे नै देल गेल अछि जे कि व्यक्तिगत अछि ((मने विआह, मूड़न, आफिसक फोटोसँ भरल बला), जकर समाग्री आन-आन ठामसँ कॉंपी-पेस्ट कए कऽ देल गेल छै। मने जे ब्लाग-वेबसाइट किछु मौलिक संकल्पना प्रस्तुत केलक तकरे स्थान एहि पोथीमे देल गेल छै। आ एना केलासँ हमरा लग किछुए टा ब्लाग-वेबसाइट बाँचल अछि। हमरा बूझल अछि एहि प्रक्रियासँ बहुत गोटा हमरापर बहुत तरहँक आरोप लगेता मुदा हुनकर आरोप लेल हमर एकैटा जबाब रहत जे ओ अपनेसँ अपन इतिहास लीखि लेथि सएह नीक। जे ब्लाग-वेबसाइट हमरा जानकारीमे नै अछि तइ लेल हम पाठक वर्गसँ सहायता चाहैत छी। पाठक हमरा सूचित करथि ओहि ब्लाग-वेबसाइट केर बारेमे हम ओकरा जरूर सुधारबै।

6) एहि पोथीमे वर्णित सभ ब्लाग-वेबसाइटकैँ विषयक हिसाबसँ बाँटल गेल अछि। जे एना अछि--

1) साहित्य

2) समाद

3) नाटक, फिल्म एवं गीत संगीत

4) ई-कामर्स

5) अन्य

7) एहि पोथीक मुख्य उद्येश्य वेब पत्रिकारिताक इतिहास अछि तँइ इंटरनेटक जन्म, उपयोग-दुरुपयोग आ अन्य विषय संक्षिप्त रूपमे देल गेल अछि। हमरा विश्वास अछि जे एहि विषयपर जल्दिये कियो ने कियो पोथी लिखता।

8) इंटरनेटक अन्य प्रारूप जेना सोशल साइट, ह्वाटसएप आदिक विवरण अलगसँ देल गेल अछि। जाहिसँ अध्येता ओ पाठककेँ सुविधा हेतनि।

9) उम्मेद अछि जे पाठक एहि पोथीमे आएल कोनो प्रकारक गलतीकेँ हमरा सूचित करताह जाहिसँ हम ओकरा यथा समय ठीक कऽ सकब।

10) हमर "मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास" सेहो मैथिली गजलक व्याकरणपर पहिल पोथी छल आ इंटरनेटपर सार्वजनिक होइते ओकर मैटर चोरा कऽ किछु गोटे पी.एच.डी केर डिग्री लऽ लेलाह तँ किछु गोटे अपन पोथीमे हमर आलेख उतारि पुरस्कार लऽ लेलाह। वेब पत्रिकारितापर ई पोथी सेहो मैथिलीक पहिल पोथी अछि आ हमरा विश्वास अछि जे एकरो सार्वजनिक होइते देरी नै बहुत तँ किछुए गोटा अपन पी.एच.डी लेल इएह विषय चुनता फेरो बिना हमर नाम लेने , बिना हमरा क्रडिट देने पूरा पोथीक समाग्री अपन शोधमे प्रयोग कए कऽ प्रोफेसर बनि जेता। किछु गोटे एही पोथीक आलेख अपन पोथीमे छापि पुरस्कार सेहो लऽ लेता। मैथिली लेल ई नव विषय नै। एहि भाषामे 100 मेसँ 97-98 टा शोध विश्वविद्यालयक शोध निर्देशकक हाथमे प्रचुर टका दऽ कऽ लिखबाएल जाइत छै (ओना ई प्रकिया एक तरहें झाँपल रहैत छै तँइ अइ आरोप लेल सबूतक कमी रहिते छै) । एहन स्थितिमे हमरा ई संतोष अछि जे मैथिलिए नै हम कोनो भाषा केर एकेडमिक नै छी। ने तँ विद्यार्थी तौरपर आ ने शोधार्थी तौरपर (जँ रहितहुँ तँ ईहो पोथी नै होइत से हमर विश्वास अछि)। हम प्रिंटमे ओतेक विश्वास नै राखै छी तँइ एहनो हएत जे हमरासँ पहिने कियो मैथिली वेब पत्रिकारिताक इतिहास लीखि प्रकाशित करबा लेथि तकरो स्वागत मुदा हुनकासँ आग्रह जे कमसँ कम ओ जाहिठामसँ तथ्य लेथि ओकरा क्रेडिट देबामे बैमानी नै करथि।

अंतरजाल (इंटरनेट) केर परिचय

अंतरजाल (इंटरनेट), एक दोसरसँ जुड़ल संगणकक एकटा विशाल विश्व-व्यापी नेटवर्क वा जाल छै। एहिमे बहुतों संगठन, विश्वविद्यालय, आदिक सरकारी आ प्राइभेट (निजी) संगणक जुड़ल छै। अंतरजालसँ जुड़ल संगणक एक दोसरासँ इंटरनेट नियमावली (Internet Protocol)क माध्यमें सूचनाक आदान-प्रदान करैत छैक। इंटरनेटक माध्यमें भेटए बाल सुविधामे वेबसाइट, ई-मेल सुविधा प्रमुख अछि। एकर अतिरिक्त सिनेमा, गीत-संगीत, खेल आदि सेवाक सुविधा सेहो इंटरनेटक माध्यमसँ प्राप्त कएल जाइत छै।

इंटरनेटक संक्षिप्त इतिहास

इंटरनेटक इतिहास 1969- इंटरनेट अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा UCLA आ स्टैनफोर्ड अनुसंधान संस्थानक कंप्यूटर्स केर नेटवर्किंग कए कऽ इंटरनेटक संरचना कएल गेलै।

1979- ब्रिटिश डाकघर पहिल अंतरराष्ट्रीय कंप्यूटर नेटवर्क बना कऽ नव प्रौद्योगिकी केर उपयोग केनाइ शुरू केलक।

1980- बिल गेट्स केर आईबीएम कम्पनीक कंप्यूटर्सपर एकटा माइक्रोसॉफ्ट ऑपरेटिंग सिस्टम लगेबाक लेल बातचीत पक्का भेल।

1984- एप्पल पहिल बेर फ़ाइल आ फ़ोल्डर, ड्रॉप डाउन मेनू, माउस, ग्राफिक्स आदिक प्रयोगसँ युक्त "आधुनिक सफल कम्प्यूटर" लांच केलक।

1989- टिम बेर्नर ली इंटरनेटपर संचार माध्यमकैँ सरल बनेबाक लेल ब्राउज़र, पन्ना आ लिंक केर उपयोग कए कऽ वर्ल्ड वाइड वेब बनेलक।

1996- गूगल स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालयमे एकटा अनुसंधान परियोजना शुरू केलक जे कि दू साल बादसँ काज करए लागल।

2009- डॉ स्टीफन वोल्फरैम "वोल्फरैम अल्फा" लांच केलाह।

भारतमे इंटरनेट 80क दशकमे एलै (1986), जखन एर्नेट (Educational & Research Network)कैँ सरकार, इलेक्ट्रानिक्स विभाग आ संयुक्त राष्ट्र उन्नति कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रोत्साहन भेटलै। सामान्य

उपयोग लेल 15 अगस्त 1995सँ इंटरनेट शुरू भेलै जखन कि विदेश सचांर निगम लिमिटेड (VSNL) द्वारा गेटवे सर्विस शुरू भेलै। वर्तमान भारतमे आब अधिकांश काज जेना बैंकिंग, ट्रेन इंफॉर्मेशन-रिजर्वेशन आदि इंटरनेट द्वारा भऽ रहल छै। इंटरनेट आ मात्र शहरी नै गामोक लोक प्रयोग कऽ रहल छथि जे भविष्यक लेल नीक अछि। इंटरनेटक प्रयोग करबामे एखन भारत विश्वक चारिम आ एशियाक तेसर देश अछि। भारतक 10 सँ 30 सालक उम्र वर्ग बला युवा बेसी इंटरनेट उपयोग कऽ रहल छथि। इंटरनेटक प्रयोगमे आश्चर्यजनक रूपसँ बढ़त देखल गेल अछि। बर्ख 2000सँ 2009 केर मध्य पूरा दुनियाँमे इंटरनेट प्रयोग करए बला लोकक संख्या 394 मिलियनसँ बढ़ि कऽ 1.858 बिलियन भऽ गेल। बर्ख 2010मे दुनियाँक कुल जनसंख्याक 22 फीसदी लोक लग इंटरनेट पहुँचि गेल रहै आ एहि समय धरि 1 बिलियन गूगल सर्च रोज होइत छलै,300 मिलियन प्रयोगकर्ता ब्लाग पढ़ए लागल, आ 2 बिलियन भीडियो रोज यूट्यूबपर देखल जाए लागल। बर्ख 2014मे पूरा दुनियाँमे इंटरनेट प्रयोग करए बलाक संख्या 3 बिलियन (43.6 प्रतिशत) पहुँचि गेल छल मुदा एहिमेसँ लगभग दू-तिहाई हिस्सा धनी ओ विकसित देशक छल। इंटरनेटक बहुत रास फायदा छै ताहिमेसँ किछु प्रमुख फायदा एना अछि--

1) इंटरनेटक सहायतासँ हम सभ कोनो प्रकारक जानकारी प्राप्त कऽ सकै छी

2) इंटरनेटसँ बिना कोनो लेन देनकैं चिट्ठी पठा सकै छी (मेल)

3) इंटरनेटक सहयातसँ विभिन्न प्रकारक मनोरंजन जेना फिल्म, संगीत, खेल आदि कऽ सकै छी

4) इंटरनेटक सहायतासँ आब टिकट बुकिंग, बैंकक काज, शिक्षा, दोकानदारी, नौकरी आदि केर सेहो सुविधा लऽ सकै छी

5) आजुक राजनीति सेहो इंटरनेटसँ प्रभावित अछि। मिश्रमे इंटरनेटक सहायतासँ क्रांति सेहो भऽ गेल छै। सोशल नेटवर्किंग केर सहायतासँ समाजक भिन्न भिन्न लोकसँ जुड़ि सकै छी, समाजसेवा कऽ सकै छी।

उपरक लाभक अतिरिक्त इंटरनेटक हानियो बहुत छै ताहिमेसँ किछु प्रमुख हानि एना अछि—

1) इंटरनेटक आदति लागि गेलाक बाद एहिसँ समयक नोकसान सेहो होमए लगैत छै। एकर लक्षण इंटरनेट एडिक्शन डिसआर्डर केर रूपमे अबैत छै। इंटरनेटक बिना उदास अनुभव करब, पाँचसँ पंद्रह घंटा धरि आनलाइन रहब, घरसँ कम निकलब, कंप्यूटरक समाने वा मोबाइल लऽ कऽ भोजन करब। वास्तविक समाजिक जीवनसँ कटि जाएब, दिन भरिमे सैकड़ो बेर अपन ई-मेल चेक करब आदि इंटरनेट एडिक्शन डिसआर्डर केर लक्षण अछि। वस्तुतः ई आने नशा जकाँ सेहो नशा अछि।

2) जँ अहाँ आनलाइन काज बेसी करैत छी तँ अहाँक गोपनीय सूचना हैक होबाक बेसी संभावना अछि जाहिसँ अहाँकैं बड़का नोकसान भऽ सकैए जेना कोनो गलत आदमी द्वारा बैंकसँ पाइ निकालि लेब वा दोकानदारी कऽ लेब आदि। एहि तरहँक धोखाधड़ीसँ बचबाक लेल कुछ काज बरोबरि करैत रहू जेना कि- अपन पिन नम्बर आ पासवर्ड किनको नै कहू। पासवर्ड बरोबरि बदलैत रहू। पासवर्ड वा पिन नम्बर कोनो स्थितिमे फोनमे वा ई-मेलमे सेभ कए कऽ नै राखू। स्पैम बला ई-मेलकैं बिना जबाबा देने खत्म कए दियौ। सार्वजनिक स्थान बला वाइ-फाइ केर उपयोग नहिए करी तँ नीक।

3) पोर्नोग्राफी ई इंटरनेटक सभसँ बड़का खतरा छै आ बच्चा लेल विशेष रूपें। मात्र बच्चे नै युवा आ विवाहित सेहो एहि जालमे फँसल छथि। पोर्नोग्राफमे दवाइ आ तकनीकक सहायतासँ असंभव सन यौन क्रिया देखाएल जाइ छै जकरा युवा आ विवाहित सेहो प्रयोग करए लागै छथि जाहिमे असफल हेबाक कारणे यौन असंतुष्टि, पारिवारिक विघटन आदि घटना घटै छै।

4) सोशल साइटपर बेसी सक्रिय भेलासँ वास्तविक समाजिकता खत्म भेल जा रहल छै। खास कऽ फेसबुक नामक सोशल साइट मानव जातिक धैर्यकैं समाप्त कऽ रहल छै जाहिसँ असमाजिकतामे अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी भेलैक अछि। फेसबुकक "लाइक" बटन आब आदमीक जीवनक बटखारा बनि चुकल अछि। ई लाइक आब "संपति" जकाँ गिनती होइत अछि। जँ अहाँक पोस्टपर लाइक बेसी अछि तँ अहाँ सेलिब्रेटी भेलहुँ आ जँ लाइक कम अछि तँ साधारण लोक। हमरा मोन पड़ैए 2012- 2013 केर समय जखन हम इंटरनेटपर गजल सिखबैत छलियै। ओहि समयमे एकटा नीक गजल लिखनाहरकैं जखन हम बहरक गलती दिस धेआन दिआबैत छलिअनि ओ हमरा चट कहैत छलाह जे फेसबुकपर हमर गजलपर एतेक लाइक कमेंट अबैए जँइ लोककैं पसीन पड़ै छै तँइ ने। हुनकर बातपर हम चुप भऽ जाइत छलहुँ। फेर एहनो समय एलै जे 2016-2017मे हमरेसँ सीखि एकटा आरो गजलकार गजल प्रस्तुत करए लगलाह आ नव गजलकारक गजलपर हुनकर गजलसँ दुगुन्ना तिगुन्ना लाइक आबए लागल। आ तकर बादसँ ओ पहिल गजलकार महोदय सदमामे छथि। हुनकर गजल लिखनाइ आब कम भऽ चुकल अछि।

ई कोनो एहन खास बात नै भेलै खास बात तँ ओ छै जे "लाइक" बटन केर अविष्कारक Justin Rosenstein किछु दिन पहिने फेसबुक आ अपना द्वारा बनाएल लाइक बटनकेँ समाज लेल घातक मानलथि आ अपनाकेँ एहिसँ दूर कऽ लेलथि। ई पूरा समाद विश्व भरिमे पसरल आ अहाँ सभ एकरा एहि ठाम देखि सकै छी http://www.independent.co.uk/life-style/gadgets-and-tech/facebook-like-inventor-deletes-app-iphone-justin-rosenstein-addiction-fears-a7986566.html

5) इंटरनेट विचार शून्यताकेँ बढ़वा दै छै। साधारण आदमीकेँ इंटरनेटक बड़का मंच देलकै मुदा आब एहि मंचक उपयोग राजनीतिक पार्टी सभ द्वारा खूब भऽ रहल अछि जाहिसँ एहि मंचपर फेक न्यूज, फेक इतिहास, गारि आदिक प्रयोग भऽ रहल अछि आ जनता एहि घटनामे मात्र उपकरण बनि केखनो एहि पार्टीक पक्षमे केखनो ओहि पार्टीक पक्षमे भऽ अपनेमे गारि-मारि कऽ रहल अछि। फेक न्यूज परसबाक लेल आ ओहिपर गारि पढ़बाक लेल अधिकांश राजनीतिक दल द्वारा काल सेंटरसँ पेड सर्भिस लेल जाइत छै आ ई काल सेंटर किछु सही लोककेँ नौकरी दऽ लाखों फर्जी आ.इ.डी बनबाक कऽ ई काज पसारै छै।

6) इंटरनेटसँ दंगा पसरबाक काज सेहो होइत छै। हालमे भरतक यू.पीमे दंगा पसारबाक काजमे इंटरनेटक फेक न्यूजक बड़का योगदान छै। आरो दंगा सभमे एकर भूमिका छै। दंगाक अतिरिक्त साइबर आतंकवाद सेहो होइत छै। साइबर आतंकवादक मतलब भेलै जे कोनो भायरसक माध्यमसँ कोनो देश, राज्य, कोनो कंपनी, कोनो व्यक्ति केर सूचना चोरी कऽ लेब। साइबर आतंकक सबसँ बड़का दिक्कत छै जे एहिमे के आतंकवादी छै मने के भायरस या बग बना कऽ पठा रहल छै तकर पता नै लागै छै। साइबर आतंकवादक संगठित रूप सूचना युद्धमे बदलि जाइ छै आ कोनो एक देश अपन दुश्मन देशपर साइबर हमला करै छै। मोन राखू बम-गोली आदि बलासँ अलग ई साबर आतंकवादी होइ छै आ सभसँ बेसी खतरनाक होइ छै।

7) इंटरनेट ज्ञानीक संग-संग अज्ञानी सेहो बना दै छै। इंटरनेटपर सभ सूचना भेटि जेबाक कारणे लोक आब मोन राखबाक झंझटि नै राखैए। सरल गुणा-भाग धरि सेहो आब मुँहजबानी नै होइ छै। तँइ आजुक युवाक समान्य ज्ञान सेहो कम भेल जा रहल छनि। एकरा दोसर तरहें एना देखू जे इंटरनेटपर सभ सूचना जमा भऽ जाइत छै चाहे अहाँ ई साबित करियौ जे धरती गोल छै वा कियो साबित करै जे धरती वर्गाकार छै। सर्च करए बला जखन सर्च करै छै तखन संबंधित विषय केर दूनू पक्ष सर्च रिजल्टमे आबि जाइत छै। आब सूचना ताकए बला फेरमे पड़ि जाइत छै जे सही कोन छै। आ एहन स्थितिमे अधिकत्तर ओ गलत पक्ष बलाकेँ सही मानि लै छै आ ओकर प्रचार करए लागै छै। एखनुक समाजमे पसरल बेसी अज्ञनता इंटरनेटे बला छै।

इंटरनेटक हानि कम करबाक लेल किछु सुधार प्रस्ताव---

1) इंटरनेट आ ओहिपर पसरल सामग्रीकेँ नियंत्रित करबाक लेल जिला, राज्य आ केंद्रीय स्तरपर निगरानी टीम बनाएल जाए। पोर्नोग्राफिक सामग्री लेल विशेष टीम गठित कएल जाए।

2) साइबर कनूनकेँ सरल आ फास्ट बनाएल जाए।

3) इंटरनेटपर एकांउट आदि बनएल लेल कानूनी प्रकिया हेबाक चाही मने ओकरा स्कूलक परिचयपत्र, कार्यस्थलक परिचयपत्र वा भोटर आ.डी कार्ड, पैन कार्ड आदिसँ जोड़ि देबाक चाही।

4) एहि सभहँक अतिरिक्त अभिवाभक सेहो अपना स्तरपर रोकथाम कऽ सकै छथि जेना कि बच्चा सभ लेल इंटरनेटक समय नियत कऽ देब, इंटरनेटक खराप पक्षकेँ बच्चाक सामनेमे खुलि कऽ कहब आदि।

मैथिलीमे इंटरनेट

मैथिलीमे इंटरनेटसँ हमर मतलब अछि जे इंटरनेट मैथिली भाषामे कहिया आ कोना आएल। इंटरनेटसँ मिथिला-मैथिली-मैथिलकेँ कोना प्रभावित केलक आदि-आदि। ओइसँ पहिने एक बेर “मैथिली वेब पत्रिकारिताक प्रारंभिक स्वरूप”केँ हम संक्षिप्त रूपें एहि ठाम राखि रहल छी। आन तथ्य देबासँ पहिने हम याहूसिटीज / ब्लागरसँ संबंधित किछु घोषणा देखा रहल छी जे कि याहूसिटीज / ब्लागर केर आफिसियल पेजसँ लेल गेल अछि आ एकरा कियो गलथोथी वा कुतर्कसँ गलत साबित नै कऽ सकै छथि। तँ देखू निच्चाक तथ्य-

1) 1999मे याहूसिटीज (Yahoo! GeoCities) चालू भेलै आ 2001मे प्रोफिट नै हेबाक कारणे एकरा लगभग बंद कऽ देल गेलै (फ्री एकांउट बला सभकेँ स्टेप बाइ स्टेप बंद कएल गेलै) मैथिलीक पहिल इंटरनेटीय उपस्थिति जे कि भालसरिक गाछ नामसँ सन 2000 सँ याहूसिटीजपर छल तकरो एकांउट बंद भऽ गेलै (जँ कियो चाहता तँ एकर रेकार्ड याहूसँ मँगबा सकै छथि, ओना एकर चांस कम कारण आर्काइभ खत्म भऽ गेल छै)। एकर बादमे 2009सँ याहूसिटीज अमेरिका समेत सभ देशसँ अपन पेड सर्भिस सेहो हटा लेलक आ आब मात्र जापानमे एखन एकर सर्विस बाँचल छै। ई तँ बहुत पहिनेक बात छै हाल-फिलहाल (2014)मे सभ गोटा आरकुटकेँ बंद होइत देखने हेबै। आरकुटपर जिनकर-जिनकर प्रोफाइल रहए से आब नै भेटि सकैए। हँ जे आर्कइभ बना लेने हेता से फाइल रूपमे अपन डाटा रखने हेता। याहूसिटीज केर विकिपीडिया वा आन संदर्भसँ हमर तथ्यकेँ जाँचल जा सकैए।

2) May 01, 2008सँ ब्लागर फ्यूचर पोस्ट केर सुविधा देलकै जकरा एहि लिंकपर देखि सकै छी https://blogger.googleblog.com/2008/05/blogger-now-schedules-future-dated.html एहि सुविधासँ लोक पोस्टकेँ ड्राफ्टमे भविष्यक तारीख संग राखि दै छथिन आ ओ पोस्ट नियत तारीखमे अपने-आप पोस्ट भऽ जाइत छै। एहि फीचरमे जे कैलेंडर देल गेल छै तकरे सहायतासँ आजुक पोस्टकेँ दू साल पाछूक तारीखमे लऽ जा सकै छी तेनाहिते दू साल पहिनुक पोस्टकेँ आजुक तारीखमे आनि सकै छी मुदा ई मात्र पोस्टक तारीख वा सालमे हेड़ा-फेरी कऽ सकै छी कोनो पोस्टक URL केर तारीख,महीना वा सालमे नै। URL बला तारीख,महीना वा साल वएह रहतै जहिया पोस्ट प्रकाशित भेल रहै।

3) December 10, 2008सँ ब्लागर दूटा ब्लाग केर मर्जिंग मने जोड़ि देबाक सुविधा देलकै एकरा एहि लिंकपर देखि सकै छी https://blogger.googleblog.com/2008/12/your-blog-your-data.html एहि सुविधासँ लोक अपन अलग-अलग ब्लागकेँ एकठाम जोड़ि सकै छलाह।

4) February 03, 2010सँ ब्लागर पेज शुरू करबाक सुविधा देलकै एकरा एहि लिंकपर देखि सकै छी https://blogger.googleblog.com/2010/02/create-pages-in-blogger.html एहि सुविधासँ लोक अपन ब्लागक विभिन्न सूचना पाठक लग दै छथि। पेज बनेलापर खाली अक्षर वा अक्षर-अंकक लिंक बनै छै मुदा तारीख,महीना वा सालनै रहै छै।

5) July 17, 2012सँ ब्लागर कस्टम लिंक बनेबाक सुविधा देलकै जकरा एहि लिंकपर देखि सकै छी https://blogger.googleblog.com/2012/07/customize-your-posts-with-permalinks.html कस्टम लिंक मने अहाँ अपना मोनक हिसाबें कोनो पोस्टक URL बना सकै छी मुदा URLमे पोस्टक प्रकाशन दिन बला तारीख,महीना वा साल रहत। पोस्टक ओरिजिनल पोस्ट डेट वा पोस्टक साल नै बदलल जा सकैए जकरा अहाँ सभ एहि लिंकपर देखि सकै छी http://blogger-hints-and-tips.blogspot.in/2009/12/changing-date-for-post.html

उपरक तथ्य सभकेँ नीक जकाँ अहाँ सभ मोन राखू आ निच्चा देल गेल मैथिलीक आरंभिक ब्लाग / वेबसाइट सभहँक पहिल पोस्ट आ ओकर तारीख सभकेँ अहाँ अपने जाँचू जाहिसँ ई स्पष्ट हएत जे कोन पत्रिका पहिल अछि आ के दोसर। एहि अंतर्गत हम पाँच टा ब्लाग / वेबसाइट राखब 1) भालसरिक गाछ (याहू सिटीज आ ब्लागर दूनू बला), 2) पल्लवमिथिला 3) समदिया, 4) प्रकरांतर 5) कतेक रास बात

आगू बढ़बासँ पहिने ई कहि दी जे एहि पाँचो ब्लागमे दू टा एहन लिंक अछि जकर आर्काइभ उपल्बध नै अछि मुदा चर्चा हम सभ लिंक केर करब चाहे ओकर आर्काइभ हो या नै हो। आर्काइभ नै हेबाक मततलब ई नै छै जे कोनो चीजक अस्तित्वकैं नकारि देल जाए।

भालसरिक गाछ

गजेन्द्र ठाकुर जी याहूसिटीजपर बहुत रास मैथिलीक साइट बनेने छलाह मुदा ताहिमेसँ "भालसरिक गाछ" केर लिंक (जे सन 2000 सँ याहूसिटीजपर छल) बाँचल अछि। एकर लिंक http://www.geocities.com/bhalsarik-gachh/ अछि। याहूसिटीज पर ई बंद भेलाक बाद 5 जुलाई 2004कैं एही नामसँ ब्लागरपर सेहो गजेन्द्र ठाकुर द्वारा ब्लाग बनाएल गेल आ जनवरी 2009मे एकरा विदेहक संग जोड़ि देल गेलै आ आब ई http://www.videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html लिंकपर आर्काइभ सहित अछि। एहिठाम मोन राखब जरूरी जे याहूसिटीज बला ब्लाग केर आर्काइभ उपल्ब्ध नै अछि।

पल्लवमिथिला

पल्लवमिथिला नामक वेबसाइट जे कि 2059 माघे संक्रान्ति- (2003 जनवरीमे) धीरेन्द्र प्रेमर्षिजी द्वारा बनाएल गेल। एकर लिंक अछि- www.pallavmithila.mainpage.net वर्तमानमे ई वेबसाइट बंद अछि। एहि वेबसाइट केर मूल पेज www.mainpage.net सेहो याहूजियो सिटीज जकाँ बंद भऽ गेलै। संगे-संग एहू वेबसाइट केर आर्काइभ उपल्बध नै अछि। विनय कुमार कसजू केर नेपाली पोथी "सूचना प्रविधिको शक्ति र नेपालमा यसको उपयोग" जे कि सितंबर 2003 मे प्रकाशित भेलै तकर पृष्ठ 155 पर "पल्लवमिथिलाक चर्चा छै।

समदिया

ईहो ब्लाग गजेन्द्र ठाकुर जी द्वारा 9 अगस्त 2004मे बनाएल गेल छल समादक वास्ते मुदा पहिल पोस्टक बाद लगभग चारि साल ई बंद रहल फेर 2008सँ एकर प्रकाशन शुरू भेल आ फेर-आस्ते-आस्ते 2015 धरि चलैत रहल। एहि ब्लागक पहिल पोस्टक लिंक अछि- http://esamaad.blogspot.in/2004/08/blog-post.html

प्रकरांतर

एहि ब्लागक पहिल पोस्ट 12 फरवरी , 2005 कैं अछि जकर लिंक http://prakarantar.blogspot.in/2005/02/blog-post.html अछि। ई ब्लाग किनका द्वारा बनाएल गेल से अज्ञात अछि मुदा कमेंट सभसँ पता चलैए जे कोनो ठाकुरजी छथि (शायद विजय ठाकुर जिनक मैथिली दर्पण, तात्काल आदि ब्लाग सेहो छनि)। जे हो मुदा एकर लिंकसँ एहि ब्लागक तारीख पता चलि रहल अछि। मात्र दू टा पोस्टक बाद ई ब्लाग बंद भऽ गेल मने ओहिपर पोस्ट एनाइ बंद भऽ गेल। एहि ब्लागक अंतिम पोस्ट 19 फरवरी , 2005मे आएल।

कतेक रास बात

कतेक रास बातक मूल लिंक http://vidyapati.blogspot.com/ अछि (आब एकर पता http://www.vidyapati.org/ अछि मुदा दूनू लिंकसँ खुजैत छै)। एहि ब्लाग 5टा संचालक छथि--आदि यायावर (मूल नाम: पद्मनाभ मिश्र), केशव कर्ण, राजीव रँजन लाल, कुन्दन कुमार मल्लिक आ सुभाष चन्द्र। कतेक रास बात नामक ब्लाग केर सभसँ पहिल पोस्ट जे देखा रहल अछि **(देखू चित्र- 1, चित्र सभ निच्चा अछि)** ताहिमे झोल-झाल छै। एकर URLमे http://www.vidyapati.org/2013/07/blog-post_28.html देखा रहल छै (देखू चित्र-1 केर उपर घेरामे) मतलब ई पोस्ट 2013 केर जुलाइ मासमे भेल छै। मुदा एकर प्रकाशन केर तारीख July 01,1999 तारीख देखा रहल छै (देखू चित्र-1 केर नीचा घेरामे)। आ एहि पोस्टसँ पहिने आरो कोनो पोस्ट नै छै से न्यूअर पोस्ट देखलासँ पता चलि जाइत छै। एहि पोस्टक बाद जे पोस्ट अछि से सूचनाक रूपमे अछि आ तकर URL http://www.vidyapati.org/2005/08/blog-post.html अछि **(देखू चित्र- 2)** मने ई पोस्ट 2005 केर अगस्त मासमे भेल अछि (देखू चित्र-2 केर उपर घेरामे) मुदा फेर एहूक प्रकाशन तिथिमे गड़बड़ी कएल गेल अछि आ प्रकाशन तारीखकेँ November 28, 2004 बना देल गेल अछि (देखू चित्र-1 केर नीचा घेरामे)। एहि पोस्टक बाद बला जे पोस्ट अछि तकर URL http://www.vidyapati.org/2005/09/blog-post.html अछि मने ई पोस्ट 2005 केर सितंबर मासमे प्रकाशित भेल आ एकर प्रकाशन तारीख September 02, 2005 अछि मने एखन धरिमे इएह पोस्ट सही अछि **(देखू चित्र- 3)**। सितंबर 2005 केर बाद जुलाइ 2006मे पोस्ट भेल जकर URL अछि http://www.vidyapati.org/2006/07/blog-post.html आ एकर प्रकाशन तारीख अछि July 12, 2006 एहि आ एकर बाद बला पोस्टक URL आ प्रकाशन तारीख मीलै छै। जे गड़बड़ी छै से पहिलुक दूटा टामे आ से मात्र इतिहासमे गलत तरीकासँ पहिल स्थान बनेबाक लेल। जँ कतेक रास बातक एहि चारि टा पोस्टक तारीखकेँ सजाएल जाए तँ ई निश्चित भऽ जाइ छै जे एहि ब्लागक पहिल पोस्ट 1 अगस्तसँ लए कऽ 31 अगस्त धरिक

बीचमे भेल छै (सुविधा लेल अगस्त-2005 नाम हम देलहुँ)। एकटा आर रोचक तथ्य ई जे कतेक रास बात केर परिचय **(पेज रूपमे, देखू चित्र-4)**मे एहि ब्लागक संचालक लीखै छथि "प्रिय पाठकगण;एहि ब्लोगऽक शुरुआत हम 2004 मे केलहुँ. ताबय धरि हमरा जानकारी मे मैथिली भाषा इन्टरनेट पर नहि छलए"। ई कोन जानकारीक दाबी भेलै। 2003मे प्रिंट पोथीमे पल्लवमिथिला बारेमे लिखाएल छै तखन आर हिनका कोन जानकारी चाही। भऽ सकैए जे संचालक सभ कहथि जे पल्लवमिथिला नेपालक अछि मुदा मैथिली तँ नेपालोमे छै आ ओनाहुतो इंटरनेटक कोन देश हेतै। इंग्लैंडमे चलि रहल मैथिलीक वेबसाइट वा ब्लागकेँ मैथिली भाषाक कहल जेतै या इंग्लैडक भाषाक। भऽ सकैए जे संचालक सभ कहथि जे हम ब्लाग 2004मे बनेलहुँ मुदा ओकर पहिल पोस्ट अगस्त 2005मे भेल मुदा एहन दाबी तँ कियो कऽ सकैए। सभसँ पहिने तँ हमहीं दाबी करब जे हमर ब्लाग "अनचिन्हार आखर" 1999मे बनल मुदा ओकर पहिल पोस्ट 11 अप्रैल 2008केँ भेल। मुदा वास्तविक रूपें हम जानै छियै जे ई तर्क नै मात्र बकथोथी हेतै। कतेक रास बात दिसम्बर 2013 धरि चलैत रहल ओहि केर बाद ओहिपर कोनो सक्रियता नै अछि। एहि ब्लागक संस्थापक कुमार पद्मनाभजीक प्रोफाइलसँ ज्ञात होइए जे ओ इंटरनेटक माहिर छथि आ हुनकर शिक्षा-दीक्षा ओही क्षेत्रमे भेल छनि तँइ ई मानब असंभव जे कुमार पद्मनाभजी एहन काज केने हेता। तखन बँचल हुनक सहयोगीगण। मुदा एकटा संचालक ओ संपादकक तौरपर नैतिक रूपसँ स्वीकार करहे पड़तनि जे हुनकर सहयोगीगण तथ्यकेँ तोड़ि मरोड़ि कऽ गलत काज केलथि।

गजेन्द्र ठाकुर अपन पोथी "कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक" (संस्करण 2009)मे एकटा आलेख देला जकर शीर्षक छै " भाषा आ प्रौद्यौगिकी (संगगणक, छायाकंन, कुंजीपटल, टंकण तकनीक) अंतर्जालपर मैथिली आ विश्वव्यापी अंतर्जालपर लेखन आ ई प्रकाशन" जे कि बादमे अंतिका पत्रिकाक अंतर्जाल विशेषांकमे "अंतर्जाल आ मैथिली" नामसँ सेहो प्रकाशित भेलै (संयुक्तांक रूपमे अक्टूबर-दिसम्बर 2009, जनवरी-मार्च 2010)। एहि आलेखमे गजेन्द्रजी "भालसरिक गाछ" संबंधमे चर्चा केने छथि जाहि के बाद भ्रम पोसए बला "पहिल" लोक सभहँक भ्रम टूटल आ तकरे फलस्वरूप ओ सभ गलत तथ्य प्रकाशित केलाह जे हम एतेक सालमे शुरू केने रही तँ हम ओतेक सालमे शुरू केने रही। ठाकुरजीक ई आलेख ओहि समयमे पहिल ओहन आलेख रहै जाहिमे अंतर्जालक संबंधमे विस्तारसँ चर्चा रहै एते धरि जे बिना कोनो सर्टिफिकेट लेने अपनासँ कोना वेबसाइट बना सकै छी तकरो विधि ओहि आलेखमे छै। पाठक ई आलेख हुनक पोथी वा अंतिका पत्रिकाक "अंतर्जाल विशेषांक"मे पढ़ि सकै छथि। मैथिलीमे सभ ई मानै छथि जे हम जहियासँ काज शुरू केलहुँ सएह पहिल भेल। इतिहासमे तकनाइ, अध्ययन केनाइ हुनका पसंद नहि छनि (एकटा टटका उदाहरण हमरा भेटल जे एक वेबसाइट जे कि अगस्त 2012सँ चालू भेल हुनक दावा छनि जे हम अपन वेबसाइटपर पहिल बेर साक्षात्कार शृंखला चालू केलहुँ जे कमसँ कम कोनो

वेब पत्रिकामे नै छल। आब देखू जे समदिया अक्टूबर 2011सँ "हम पुछैत छी" नामक साक्षात्कार शृंखला चलेलक आ एहिमे कुल सत्तावनसँ बेसी व्यक्तित्वक साक्षात्कार प्रस्तुत कएल गेल अछि। आब कहू पहिनेसँ के चला रहल अछि। एही ठाम अध्ययनक जरूरति पड़ै छै। बिना पढ़ने आ जनने पहिल केर बीमारी पोसने मैथिलीक सेवक सभ बहुत पसरल छथि)। हम पुछैत छी शीर्षक सभ साक्षात्कार एहि लिंकपर पढ़ि सकै छी- http://esamaad.blogspot.in/p/blog-page_22.html एतेक देखेलाक बाद हम "कतेक रास बात" केर संचालक सभसँ पूछए चाहैत छी जे जँ प्रकाशने तारीखकेँ मानक बूझी तखन मैथिली किएक ओ हिंदी आ भारतक पहिल ब्लाग हेबाक दाबी किए नै कऽ रहल छथि। हिंदीक पहिल ब्लाग "9-2-11" अछि जे कि आलोक कुमार जी 21 अप्रैल 2003 के शुरू केने छलाह। कतेक रास बातक तँ प्रकाशन तिथिक हिसाबसँ "9-2-11"सँ चारि साल पुरान अछि तखन "कतेक रास बात" केर संचालक सभ क्लेम करथु भारतक पहिल ब्लाग हेबाक। मुदा "कतेक रास बात" केर संचालक सभ नै कऽ सकताह कारण हुनका बूझल छनि अपन बैमानीक बारेमे। "कतेक रास बात" केर संचालक सभ किछु ओहन नवसिखुआ सभकेँ बड़गला सकै छथि के मात्र एकांउटिंग उद्येश्यक संग कंप्यूटर चलबै छथि मुदा जे कंप्यूटरसँ नीक जकाँ परिचित छथि तिनका ओ कोना बड़गला सकै छथि। हम एहि लेखक माध्यमे "कतेक रास बात" केर संचालक सभकेँ चुनौती दै छियनि जे प्रकाशन तारीखक हिसाबसँ ओ अपन ब्लागकेँ भारतक पहिल ब्लाग घोषित करबाबथि आ से केलासँ ओ मैथिलिओक पहिल ब्लागर बनि जेता।

उपरक तथ्य सभसँ पता चलल हएत जे इंटरनेटपर --

1) भालसरिक गाछ (याहू सिटीज) 2000सँ अछि जकर लिंक http://www.geocities.com/bhalsarik-gachh/ अछि।

2) पल्लवमिथिला 2003सँ अछि जकर लिंक www.pallavmithila.mainpage.net अछि।

3) समदिया 2004सँ अछि जकर लिंक http://esamaad.blogspot.in/2004/ अछि।

4) प्रकरांतर 12 फरवरी, 2005 केँ अछि जकर लिंक http://prakarantar.blogspot.in/2005/02/blog-post.html अछि।

5) कतेक रास बात अगस्त-2005सँ अछि जकर लिंक http://www.vidyapati.org/2005/08/blog-post.html अछि।

आ तँइ ई निश्चित रूपेण कहल जा सकैए जे भालसरिक गाछ (याहू सिटीज) बला इंटरनेटपर मैथिलीक पहिल उपस्थिति अछि। तकर बाद पल्लवमिथिलाक स्थान दोसर अछि। समदियाक स्थान तेसर अछि। प्रकरांतर केर स्थान चारिम अछि। आ अंतमे कतेक रास बात केर पाँचम स्थान अछि। बहुत संभव अछि जे इंटरनेटक अथाह दुनियाँ केर किछु तथ्य हमरासँ छुटि गेल हो तँइ जँ अहाँ सभ ओकर सूचना दऽ एहि लेखकेँ परिमार्जन करेबै तँ ई भविष्य आ इतिहास दूनू लेल नीक रहतै। आशा अछि जे कोनो गलती दिस निधोख भऽ अहाँ सभ सुझाव देब।

चित्र सभ निच्चा अछि-

चित्र-1

www.vidyapati.org/2013/07/blog-post_28.html

कतेक रास बात

संपर्क करू
editor@vidyapati.org

जन्मदिनक चिट्ठी कथा

जन्मदिनक चिट्ठी कथा

सेतू जन्मदिनक पाँच दिन पहिनेसँ घरमे अनघोल केने छल जे एहि बेरका जन्म दिन पछिला बरखक तुलनामे नीकसँ मनायब। एना करब, ओना करब। हिनका बजायब, हुनका बजायब। कुल मिला कऽ ओ जन्म दिनक तैयारी करबामे जूटि गेल छल। रहि रहि कऽ ओ अपना मायक गर्दनि पकरि कऽ कहै माँ कहि ने एहि बेर हमरा जन्म दिनपर की सभ बनतै?? देख पछिला बेर बाबुजी जे कपड़ा कीन कऽ देने रहथिन से हमरा नञि पसिन पड़ल छल। एहि बेर हम अपना पसनसँ कीनब। माय ओकरा बातपर कोनो जवाब नञि दै। बस मने मन मुस्किया दैत छल। सेतू किछु कालक बाद फेरो मायसँ पुछऽ लागल। माय एहि बेर हम अपना जन्मदिनमे दोस्त सभकेँ सेहो बजायब। ओ लोकनि अपना अपना जन्मदिनमे हमरा बजबैत अछि। तु ओकरा सभ लेल नीक वस्तु बनेबे ने? माय अन्तमे हारि कऽ सेतूकेँ दबारि देलक। जो तोरा काम धाम तँ छौ ने पाँच दिन पहिनेसँ जन्मदिनक बारेमे सोचि रहल छऽ। की जाने गेलौं जे एहि बेर जन्मदिन हेतौं की नञि।

मायक कुबोल भाखा सुनि सेतू चुपचाप मन मोससि कऽ खेलऽ लेल चलि गेल।

सेतू कक्षा पाँचक छात्र छल। ओकर पिताजी छोट छीन दोकान चला अपन परिवारक पेट चलबैत छला। दोकानसँ एतेक कमाइ नञि होइत छल जे घरक खर्चाक अतिरिक्त आन आन छोट खर्चा निकालल जा सकय। एहि लेल सेतू केर माय अपन घरक दू गोट कोठली भारापर लगा देने छली। सेतू ओना तँ मात्र 10 बरखक छल, मुदा ओकरा नीक जका बूझल छलै जे ओकर घरक स्थिति ओकर पित्ती सभक तुलनामे बड़ खराब अछि। दादा तँ ओकरा बड़ मानै छथिन, मुदा दादी, बड़का कका, छोटका कका आ दुनू काकी हुनका माय आ बाबुकेँ टोकबो नञि करै छथिन।

एतेक बात बूझल हेबाक बोद किछु छल ओ छल तँ अबोध नेना।

जेना जेना जन्मदिन लगीच आबि रहल छल तेना तेना सेतू केर मायक चिन्ता बढ़ि रहल छल। सेतूसँ बेसी चिन्ता ओकरा छलै। कारण ओ बूझैत छल जे सभ बरख सेतू केर जन्मदिन मानायल जाइत अछि। जँ एहि बेर कोनो कारण वस नञि भऽ सक तै तँ ओकरा बड़ खराब लागत।

सेतू आब अपन जन्मदिनक कोनो बात मायक लगमे नञि बाजैत छल, मुदा अपन बहिन महिमा संगे ओ जन्मदिनक पूर्ण तैयारी कऽ रहल छल।

आइ रवि अछि। सेतूक जन्मदिन वला रवि। सेतू केर पिता भोरे 5 बजे दोकान चलि गेला। कारण शहरमे कोनो सरकारी परीक्षाक आयोजन अछि। हुनका पूर्ण विश्वास छलनि जे विभिन्न ठामसँ आयल छात्र छात्रा लोकनि कलम, पेंसिल, रबर आदि कीनऽ लेल अवश्य एता। सेतू केर माय जखन सुति कऽ उठली तँ देखलनि जे सेतू केर पिता घरमे नञि छथि। ओ बूझि गेला जे सम्भवत: आइ सवेरे दोकान खोलऽ लेल ओ चलि गेला। किछुए कालमे ओ चिन्तित होबऽ लागली। सहसा हुनका मोन पड़लनि जे आइ सेतू केर जन्मदिन अछि। की पता हुनका स्मरण छनि की नञि। ओम्हर आन दिनक समान सेतू बिछावनसँ उठबाक बाद पर-पायखान गेल। एकरा बाद ओ चुपचाप घरमे जा सुति रहल। माय जानि गेली जे आइ सेतू रूसल अछि। ओ ई सोचिये रहल छली की एक गोटे हाथमे एक लीटर दूध नेने आयल। ओ व्यक्ति सेतू केर मायसँ कहलक जे महिमाक पिता ई दूध पठेलनि अछि। एक लीटर दूध देख सेतू मायक चिन्ता आरो बढ़ि गेल। कारण आइ घरमे एक लीटर दूधसँ की होयत। जन्मदिन मनेबा लेल कमसँ कम तीन वा चारि लीटर दूध तँ चाहिबे करी। एक लीटर दूध तँ प्रति दिन चाहमे आ सेतु-महिमाक जलखैमे समाप्त भऽ जाइत अछि।

सहसा सेतू केर मायकेँ मोन पड़लनि जे सम्भवत: हुनका मोन नञि होनि जे आइ सेतू केर जन्म दिन अछि। फोन करबा लेल ओ मोबाइल दिस दौगली, मुदा निराशा हाथ लागल। कारण मोबाइलमे बैलेंस नञि छल। आब तँ हुनका किछु फुरा नञि रहल छलनि जे आखिर ओ करती तँ की करती। तखन ओ देखलनि जे हुनका घरमे रहि रहल व्यक्ति तैयार भऽ कतौ जेबाक सुरसार कऽ रहल छला। सेतू केर माय धीरसँ ओहि व्यक्तिसँ पूछलनि। की अहा टीशन होइत बजार जायब की? हाँ मे उत्तर भेटबाक बाद ओ हुनकासँ आग्रह केलनि जे ओ एक गोट पुर्जी लिख कऽ दै रहल छथि जेकरा सेतू केर पिताकेँ देबाक अछि। संगे ओ ओहि व्यक्तिकेँ दू लिटर दूध आनबा लेल पाइ सेहो देलनि। हुनकर सोच छलनि जे किछु होउ वा नञि सेतुक जन्मदिनपर तसमै तँ बनाओल जाये सकैत अछि।

ओ व्यक्ति टाका आ पुर्जी लऽ चुपचाप घरसँ बजार दिस निकलि गेल। नञि जानि बाटमे ओकरा की फुरेलै ओ पुर्जी निकाली कऽ पढ़ लागल। ओहिमे लिखल छल।

धारा तेल-2 किलो, रिफाइल 2 किलो, मटरपनीर 1/2 किलो, कटहर-1 किलो, मटर-1/2 किलो, आदि.....

पुर्जीक अन्तमे दू लाइन समाद सेहो लिखल छल।

-आइ सेतूक जन्म दिन अछि। सभटा समान कीन दूपहर 1 बजे धरि घर आबि जायब। सेतू भोरेसँ रूसल अछि।

ई चिट्ठी पढ़ि ओहि व्यक्तिक मोन अनमना गेल। ओ दोकानपर जा पुर्जी सेतू केर पिता कऽ दऽ देलनि। दोकानपरसँ निकलबाक बाद ओ भरि दिन सोचैत रहल जे विज्ञान भने कतबो विकसित कियक नञि भऽ जाय, समयपर पुरने वस्तु काज दैत अछि। मोबाइल केर युग सभ ठाम कियक नञि पसरि जाय। आइ सेतू मायक मदति वैह पुरना चिट्ठी वला माध्यम केलक। की एहि सभ लेल हमरा लोकनि कतौ ने कतौ दोषी नञि छी????

You might also like:

मर्यादा

अनचिन्हार सन अपन (कथा)- सुभाष चन्द्र

अपन अपन खुशी (मैथिली कहानी)

- Roshan kumar Jha जी द्वारा प्रेषित Thursday, July 01, 1999

No comments:

Post a Comment

Newer Post | Home

Subscribe to: Post Comments (Atom)

किछु टटका रचना

पाठक लोकनि सँ आग्रह जे कतेक रास बात'क नव रुप रेखा कैहेन लागल, टिप्पणी द्वारा सुचित करब.

टटका कविता
1. किछु त हम करब --किशन कारीगर
2. स्वागत बसंत --करण समस्तीपुरी
3. अंतर --सुभाष चंद्र
4. कालजयी -विवेकानंद ठाकुर

टटका कथा
1. विवाह'क तेसर सप्ताह --आदि यायावर
2. स्टेशन पर'क हरियर दुबि आ लाल गुलमोहर --आदि यायावर

टटका व्यंग
1. बुढ़'क अर्थशास्त्र --खट्टर काका

प्रशंसक बनु

Join this site with Google Friend Connect

Members (168) More »

Already a member? Sign in

टटका टिप्पणी

कथा'क अगिला अंश एतय पढ़ू: http://www.vidyapati.... - आदि यायावर

bahut nik kahani likhne chhaith. e kahani paidh k .... - ranjeet kumar

jai sriramread hanuman chalisa every one..... - Nag Raj

- Nag Raj

padhi ka mon chtpata uthal lagal kich hera gel....... - vijay kumar

मेल पर सदस्यता लेल जाय

अपन ई-मेल पता भरू:

सहमति

LABELS

Khattar Kaka (1) Maithili (4) novel (7) roshan (2) Story (2) vidyapati (1) अनुवाद (2) उपन्यास (7) कथा (4) करण समस्तीपुरी (2) करण समस्तीपुरी.समीक्षा (1) कविता (27) कहानी (5) कुन्दन (18) ... पद्मनाभ (9) मिथिला (2) मैथिली (8) ... संस्मरण (5)

Vis. today	4
Visits	43 944
Pag. today	20

Facebook | Byomkesh Bakshi: Episode | कतेक रास बात: मैथिली भाष

www.vidyapati.org/2005/08/blog-post.html

More ▾ Next Blog» ashish.anchinhar@gmail.com

चित्र-2

कतेक रास बात

संपर्क करू
editor@vidyapati.org

मुख्य पृष्ठ | परिचय | कविता | कथा/कहानी | हास्य-व्यंग | लेखक/ कवि | आमंत्रण | सम सामायिक | संस्मरण | Contact

मैथिली भाषा

प्रिय मैथिल बन्धु;

ई सुचना प्रौद्योगिकीक युग मे अपन देवनागरी लिपि वा तिरहुता लिपि मे मैथिली भाषाक एहि जाल-स्थल सँ अनुपस्थिति एकटा सोचनीय विषय भ' गेल अछि. हम त सुरु केलहुँ मुदा एकरा आगु बढेबाक उत्तरदायित्व अपने सभ' लोकनिक थीक. **हम ताकि रहल छी किछु युवा मैथिल कें जे एहि दिशा मे कार्य करथि.**

जे कियो मैथिल बन्धुगण एहि मे भाग लेबाक इच्छा राखति छथि हुनकर हम करेजाक पेनीक सतह सँ स्वागत करैत छिहन्हि. हमरा एहि ई-मेल पर सम्पर्क काएल जाओ

mishrapadmanabh@email.yahoo.com

You might also like:

किछु टटका रचना

पाठक लोकनि सँ आग्रह जे कतेक रास बात'क नव रुप रेखा केहेन लागल, टिप्पणी द्वारा सुचित करब.

टटका कविता
1.किछु त हम करब --किशन कारीगर
2. स्वागत बसंत --करण समस्तीपुरी
3. अंतर --सुभाष चंद्र
4. कालजयी -विवेकानंद ठाकुर

टटका कथा
1. विवाह'क तेसर सप्ताह --आदि यायावर
2. स्टेशन पर'क हरियर दुबि आ लाल गुलमोहर --आदि यायावर

टटका व्यंग
1. बुढ़'क अर्थशास्त्र --खट्टर काका



(1) Ashish Anchinhar | कतेक रास बात: मैथिली भाष

www.vidyapati.org/2005/08/blog-post.html

अपने सभ' लोकनिक थीक. **हम ताकि रहल छी किछु युवा मैथिल कें जे एहि दिशा मे कार्य करथि.**

जे कियो मैथिल बन्धुगण एहि मे भाग लेबाक इच्छा राखति छथि हुनकर हम करेजाक पेनीक सतह सँ स्वागत करैत छिहन्हि. हमरा एहि ई-मेल पर सम्पर्क काएल जाओ

mishrapadmanabh@email.yahoo.com

You might also like:


जलकुम्भी भाग-२ (लेखिका- अल्पना)


अतुल्य-प्रकाश उर्फ बब्लू (एक कहानी)


जलकुम्भी (उपन्यास, अंक-२, भाग-२)

- Kumar Padmanabh जी द्वारा प्रेषित Sunday, November 28, 2004

केहन लागल: अतुलनीय (0) बढ़िया (0) साधारण (0) बेकार (0)

7 comments:

nikhil said...

I appreciate the work you want people to do. I will try sending you a link of a software which can convert litterals in English to that in Devnagri lipi, such that when we type "KUCH" it type the corresponding word in Devnagri which means "something". I will send you the link in next comment.

16 July, 2006 00:07

3. अंतर --सुभाष चंद्र
4. कालजयी -विवेकानंद ठाकुर

टटका कथा
1. विवाह'क तेसर सप्ताह --आदि यायावर
2. स्टेशन पर'क हरियर दुबि आ लाल गुलमोहर --आदि यायावर

टटका व्यंग
1. बुढ़'क अर्थशास्त्र --खट्टर काका

प्रशंसक बनु

Join this site
with Google Friend Connect

Members (168) More »



Already a member? Sign in

टटका टिप्पणी

कथा'क अगिला अंश एतय पढ़: http://www.vidyapati... - आदि यायावर

चित्र-3

अनचिन्हार आखर: आशीष | कतेक रास बात: मिथिला !

www.vidyapati.org/2005/09/blog-post.html

More ▾ Next Blog» ashish anchinh

कतेक रास बात

संपर्क करू
editor@vidyapati.org

मुख्य पृष्ठ | परिचय | कविता | कथा/कहानी | हास्य-व्यंग | लेखक/ कवि | आमंत्रण | सम सामायिक | संस्मरण | Contact

मिथिला ! अपन मिथिला !

मिथिला ! अपन मिथिला !
फुइसक घर,
घरक चार पर लतडल कदीमा आ सजमईन,
भीतर सीक पर टांगल दही,
दलान पड कूट्टी खाइत बडद,
गणु झाक खीस्सा सुनबैत बुढहा,
खढियान मे राखल धानक बोझ,
भीति पर लीखल कोहबर,
आंगन मे लिखल अडिपन,
सामा-चकेबा,बगीया, पुडिकिया, तिलकोड,
पोखडि मे माछ आ मखान,
आर कतेक रास बात,
मिथिला, अपन मिथिला, अपन मैथिलि, अपन मैथिल !

FOLLOW US

किछु टटका रचना

पाठक लोकनि सँ आग्रह जे कतेक रास बात'क नव रुप रेखा केहेन लागल, टिप्पणी द्वारा सुचित करब.

टटका कविता
1. किछु त हम करब --किशन कारीगर
2. स्वागत बसंत --करण समस्तीपुरी
3. अंतर --सुभाष चंद्र
4. कालजयी -विवेकानंद ठाकुर

टटका कथा
1. विवाह'क तेसर सप्ताह --आदि यायावर
2. स्टेशन पर'क हरियर दुबि आ लाल गुलमोहर -- आदि यायावर

टटका व्यंग
1. बुढ़'क अर्थशास्त्र --खट्टर काका

www.vidyapati.org/p/blog-page_7012.html

अनचिन्हार आखर: आशीष | कतेक रास बात: मिथिला !

www.vidyapati.org/2005/09/blog-post.html

You might also like:


अपन अपन खुशी (मैथिली कहानी)


जलकुम्भी भाग-२ (लेखिका- अल्पना)


अतुल्य-प्रकाश उर्फ बब्लू (एक कहानी)

Linkwithin

- Kumar Padmanabh जी द्वारा प्रेषित September 02, 2005 

केहन लागल: ☐ अतुलनीय (0) ☐ बढ़िया (0) ☐ साधारण (0) ☐ बेकार (0)

5 comments:

Sanjay Jha said...

Padmanathji,
Excellent poem. It encompassed all the attributes of a Mithila's village. What can I say, it could be a poet using words instead of brush and paint on the canvas to paint the image of a village!! Believe me, while seating in the downtown of Toronto, this poem took me to my village!!!
Great efforts as well, please tell me how can I help you in your efforts. I am little disappointed, the way Maithil yahoo groups have been marginalised to a casual jokes, meaningless discussions and job posting forums! I sincerely

प्रशंसक बनु

Followers (179) Next



Follow

बहुत नीक लागल ! उम्मीद करई छी जे आगूओ एहिना पढ़ैत ल... - Yaswant Mishra

बहुत नीक लागल इ कथा - Yaswant Mishra

विद्यापति जी की समाधि भूमि विद्यापति धाम pleas cl... - $hivam Kumar

कथा'क अगिला अंश एतय पढ़: http://www.vidyapati.... - आदि यायावर

bahut nik kahani likhne chhaith. e kahani paid ... - ranjeet kumar

मेल पर सदस्यता लेल जाय



मैथिलीक पहिल वेबसंगोष्ठी

मैथिलीमे पहिल बेर वेबसंगोष्ठीक रूपमे विदेह द्वारा निर्मलीमे गोष्ठी तीन सालक बीच लगातार करबाएल गेल छल सितम्बर २००८ सँ दिसम्बर २०११ धरिमे जकर समाद एहि लिंकपर देखि सकैत छी http://esamaad.blogspot.in/2012/01/blog-post_08.html ई गोष्ठी मैथिली लेल गूगल ट्रांसलेटर टूलकिट विकीपीडिया मैथिली आदि सभपर छल। एखन बहुत रास लोक कहै छथि जे पहिल वेबसंगोष्ठी दिल्ली कि मुंबइ कि कलकत्तामे भेलै हुनका ई बूझि लेबाक चाही जे पहिल केर घोषणा करबासँ पहिने इतिहास केर

जानकारी आवश्यक। बिना जानकारी लेने अपने काजकेँ पहिल मानि लेब अल्पज्ञता थिक। ई भ' सकैए जे बाद बला लोक धूमधामसँ मनौनौ होथि वा हुनक गोष्ठीमे वक्ताक संख्या बहुत बेसी होइन वा हुनकर ओहि गोष्ठीक उद्घाटन प्रधानमंत्री केने होथि मुदा तँइसँ पहिल केर अस्तित्वपर प्रभाव नै पड़तै। हँ ई छूट बाद बला सभ ल' सकै छथि जे ओ अपन गोष्ठीसँ पहिने कोनो विशेषण लगा लेथि जेना "हमर गोष्ठी पहिल एहन गोष्ठी अछि जाहिमे पहिल बेर एक हजार कुर्सी लगाएल गेल छल, हमर गोष्ठी पहिल एहन गोष्ठी अछि जाहिमे पहिल बेर प्रधानमंत्री एलाह, हमर गोष्ठी पहिल एहन गोष्ठी अछि जाहिमे पहिल बेर प्लास्टिक कपमे चाह पिआएल गेलै" आदि आदि। मुदा हुनका बिना अध्ययन ओ सबूतक ई कहबाक अधिकार नै छनि जे हमर गोष्ठी मैथिलीक पहिल वेबसंगोष्ठी छल। उपरक पाँच टा प्रारंभिक ब्लागक अतिरिक्त किछु एहन ब्लागक सेहो अछि जे कि 2006 सँ 2008 क बीचक अछि ताहिमेसँ किछु एना अछि—

"हरिमोहन झा के लिखल किछु प्रसिद्ध रचना" एहि नामक ब्लाग राजीव रंजन लाल जी द्वारा जुलाइ 2006 मे बनाएल गेल जाहिपर हरिमोहन झाजीक एकटा कथा देल गेल अछि। एकर लिंक अछि- http://paanch-patra.blogspot.com/ "मैथिली कविता केर संग्रह" ईहो ब्लाग राजीवे रंजन लाल जी द्वारा मई 2007 मे बनाएल गेल छल जाहिमे कुल तीनटा कविता अछि। एकर लिंक अछि-- http://maithilipoetry.blogspot.com/2007/05/

"गरम छै" एहि नामक ब्लाग इंद्रकांत लालजी द्वारा मार्च 2007 मे बनाएल गेल जाहिपर कुल दस टा पोस्ट अछि। एकर लिंक अछि- http://haasparihaas.blogspot.com/2007/03/

उम्मेद अछि जे प्रारंभिक स्वरूप फड़िछा गेल हएत। तँ आउ आब हम किछु ओहन वेबसाइट, ब्लाग आदिक परिचय करबा रहल छी जे कि अपन-अपन क्षेत्रमे नीक काज केलाह। उपरमे हम जे क्षेत्र देने छी ताही अनुसार हम राखि रहल छी--

साहित्य खंड

साहित्य खंडमे हम जाहि ब्लाग ओ बेवसाइटकेँ राखि रहल छी ओ अछि-- कतेक रास बात, विदेह, मैथिल आर मिथिला (आब मिथिला दैनिक), अनचिन्हार आखर, ई-मिथिला, बताह मैथिल, मिथिला-विदेह-वज्जि आदि। निच्चा एकर विवरण देल जा रहल अछि---

कतेक रास बात (http://www.vidyapati.org)--- एहि ब्लाग केर माध्यमसँ लगभग 200-250 रचना मैथिलीकेँ भेटि चुकल छै। एहि ब्लागपर मुख्यतः आदि यायावर, आदि यायावर (मूल नाम: पद्मनाभ मिश्र), केशव कर्ण (करण समस्तीपुरी) , राजीव रंजन लाल, कुन्दन कुमार मल्लिक, सुभाष चन्द्र, रोशन कुमार झा, अविनाश, अजित कुमार झा, अल्पना, इंद्र कान्त लाल, ज्योति प्रकाश लाल, मीनू राजीव लाल, विजय ठाकुर सहित अनेको नव-पुरान लेखक केर रचना भेटत। एहि ब्लागपर उपन्यास जलकुम्भी (पहिल किस्त आदि यायावर) एकटा नीक प्रयोग अछि। एकर पहिल किस्त लिखलाक बाद आदि यायावरजी आन लेखककेँ आमंत्रित केला आ बादक किस्त सभ विभिन्न नामसँ भेटैत अछि। जँ एहि उपन्यास आन भाग सभ अलग-अलग लोक लिखने हेता तखन ई नीक प्रयोग हएत मुदा जँ ई नाम सभ संपादके बला अछि तखन एकरा मात्र प्रिंट पत्रिका बला मजबूरी मानल जाए (प्रिंट पत्रिकामे रचना नै एलापर संपादके छद्म नामसँ अपन रचना प्रकाशित करए लागै छथि) एहि ब्लागपर मुख्यतः कथा ओ संस्मरण साहित्य केर बेसी सृजन भेल अछि।

विदेह (http://www.videha.co.in)-----भालसरिक गाछऽ- मैथिली जालवृत्तसँ प्रारम्भ इंटरनेटपर मैथिलीक प्रथम उपस्थितिक यात्रा विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका धरि पहुँचल अछि, जे कि आब विदेहक नामसँ पाक्षिक रूपमे ई- प्रकाशित होइत अछि। विदेहक रूपमे पहिल अंक 1/1/2008केँ प्रकाशित भेल आ ई हरेक मासक 1 आ 15 तारीखकेँ प्रकाशित होइत अछि। 1/5/2017 धरि विदेहक कुल 225 अंक प्रकाशित भऽ चुकल अछि। इंटरनेटक संसारमे विदेहक अलग ओ बेछप स्थान छै। विदेहक किछु काज निच्चा देल जा रहल अछि----

1) मैथिलीमे एखन अहाँ जाहि विकीपीडियापर लेख पढ़ि रहल छी। तकर श्रेय विदेहेक छै। ओना मैथिली विकीपीडिया केर मंजूरी 2014मे भेटलै मुदा ओहिसँ पहिने एहि लेल जे पेटीशन, जतेक शब्दक अनुवाद आ पृष्ठ जरूरी छलै से विदेहक निर्देशनमे विदेहक उपसंपादक उमेश मंडल द्वारा संपन्न कएल गेल। मैथिली विकीपीडियाक लगभग 70% पृष्ठ Umeshberma (उमेश मंडल) केर नामसँ बनल भेटत। विदेह ई काज 2008सँ लऽ कऽ 2013 धरि केलक तकर बाद ओ मंजूरी लेल आगू बढ़ि सकलै।

2) विदेह बहुत रास साहित्यिक चोरक पर्दाफास केलक। विदेहसँ पहिने सभ कियो साहित्यिक चोरक पक्षमे छलाह या जानि बूझि कऽ अनठा दै छलाह मुदा विदेह एहन-एहन चोर आ ओकर पक्षमे रहए बलाक बहिष्कार केलक।

3) विदेह सम्मान उर्फ समानांतर साहित्य अकादेमी सम्मान केर शुरुआत विदेह केलक। विदेह सम्मान विदेह पत्रिका द्वारा देबए बला वार्षिक सम्मान अछि जकरा समानान्तर साहित्य अकादेमी सम्मान सेहो कहल जाइत छै। विदेह सम्मान मात्र साहित्य लेल नै बल्कि हरेक प्रकारक कला जेना नाटक, गीत, संगीत, नृत्य, मूर्तिकला, शिल्प आ चित्रकला लेल सेहो देल जाइत छै

4) विदेह प्रतिभाशाली लेखक सभकेँ आगू अनलक। एहिमे जगदीश प्रसाद मंडल, ललन कुमार कामत, दुर्गानन्द मण्डल, सन्दीप कुमार साफी, कपिलेश्वर राउत, नंद विलास राय, राजदेव मंडल, रामविलास साहु, उमेश पासवान, रामदेव प्रसाद मण्डल झारूदार, बेचन ठाकुर, उमेश मंडल, विन्देश्वर ठाकुर, मुन्नी कामत, जगदानन्द झा मनु, मुन्नाजी, ओम प्रकाश झा, अमित मिश्र, चन्दन कुमार झा आ एहि पाँतिक लेखक समेत आनो आनो नव लेखककेँ मैथिली साहित्यमे स्थापित करबामे प्रत्यक्ष सहयोग केलक। आदि प्रमुख छथि।

5) विदेह एकटा "विदेह आर्काइभ" बना कऽ आनलाइन पुस्तकालय केर निर्माण केलक। "विदेह आर्काइभ" विदेह पत्रिका द्वारा संचालित छै जाहिमे मैथिलीक पोथी-पत्रिका, आडियो, भीडियो, मिथिला चित्रकला/ आधुनिक चित्रकला आ चित्र मिथिलाक वनस्पति एवं जीव-जंतु, मिथिलाक जीवन आदिक क्रमशः पी.डी.एफ फाइल आ फोटो सभ देल गेल छै। एहि अर्काइभकेँ चित्र-शब्दकोश कही तँ गलत नै। एहि आर्काइभ केर किछु खंड केर वर्णन निच्चा अछि.....

a) मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download लगभग 400 पोथी एवं पत्रिकाक अंकक पी.डी.एफ फाइल एहिठाम राखल गेल अछि जकरा पाठक बिना कोनो कीतमकेँ डाउनलोड कऽ पढ़ि सकै छथि। ई एकटा विशिष्ट आनलाइन पुस्तकालय अछि। एहि पुस्तकालय केर मुख्य आकर्षण पंजी केर मूल पृष्ठ सभहँक स्पष्ट फोटो अछि।

b) मैथिली ऑडियो संकलन Maithili Audio Downloads एहि खंडमे मिथिलाक सभ जाति आ धर्मक संस्कार, लोकगीत आ व्यवहार गीत, ममता गाबय गीत (मैथिली फिल्म) , मैथिली लोकगीत एवं अन्यान्य आडियो राखल गेल अछि।

c) मैथिली वीडियोक संकलन Maithili Videos एहि खंडमे मिथिलाक वनस्पति स्लाइड शो, मिथिलाक जीव-जन्तु स्लाइड शो, मिथिलाक जिनगी स्लाइड शो, श्वेता झा चौधरी, तुनिशा प्रियम , प्रीति ठाकुर, तूलिका, उमेश कुमार महतो आदिम मिथिला चित्रकला, कैलाश कुमार मिश्र - यायावरी फोटो संगे-संग बहुत रास कर्यक्रमक फोटो सभ राखल गेल अछि।

6) "विदेह मिथिला रत्न" केर निर्माण कए कऽ आनलाइन रूपें मिथिला-मैथिली-मैथिलसँ संबंधित लोकक फोटो वृहत रूपें सार्वजनिक केलक। आधुनिक ऐतिहासिक पुरुष आ महापुरुषक चित्र भेटब संभव मुदा पौराणिक आ प्राचीन नायकक असंभव तँइ विदेह मिथिला रत्न नामक पृष्ठक जन्म भेल आ एहिमे ओहन-ओहन नायक काल्पनिक मुदा सत्यक बेसी लगीच बला चित्र सभकेँ देल गेल जकरा आधुनिक कालक आलोचक सभ उपेक्षित छोड़ि देने छलाह। मैथिल आलोचक सिद्ध सरहपादकेँ मैथिलीक आदि कवि तँ मानै छथि मुदा जखन चित्र बनेबाक समय एलै तखन ओ सरहपादक नै बना विद्यापतिक बनेलथि कारण सरहपाद निम्न जातिक छलाह। तेनाहिते मैथिलीक लोककथाक अनेको पात्रक चित्र जानि बूझि कऽ छोड़ि देल गेल छल। विदेह एकरा एकटा चुनौतीक रूपमे देखलक आ सभ उपेक्षित नायकक चित्र बनबेलक। एहि विदेह (पत्रिका) मिथिला रत्न नामक पृष्ठमे सरहपादसँ लऽ कऽ ज्योतिरिश्वर पूर्व विद्यापति धरि, बंठा चमारसँ लऽ कऽ कारिख पजियार, गोनू झासँ लऽ कऽ छेछन महराज धरिक चित्र भेटत। आधुनिक कालक चित्र सभ तँ सहजहिं भेटत। एहि पृष्ठक एकमात्र उपलब्धि अछि जे ओ ओहन नायकक चित्र उपल्बध करबेलक जकरा उपेक्षित छोड़ि देल गेल छल।

7) "विदेह मिथिलाक खोज" नामक सिरीज प्रकाशित कऽ विदेह ऐतिहासिक आ पुरातात्विक चित्र सभकेँ एकट्ठा कऽ सार्वजनिक केलक। एहि पन्नापर विदेह मिथिलाक ऐतिहासिक आ पुरातात्विक चित्र सभ देल गेल अछि

8) विदेह द्वारा मैथिलीक पहिल ब्लाग एग्रीगेटर केर निर्माण कएल गेल जकर नाम "विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण" अछि। एहिमे मैथिलीक अधिकांश वेबसाइट, ब्लाग आ इंटरनेटक विभिन्न साइटक पता (URL) भेटत। ब्लाग एग्रीगेटर एहन स्थान थिक जाहिठाम हरेक ब्लाग-साइट केर पता रहै छै मने एकैठाम सभ ब्लाग-साइट उपलब्ध भेटत। संगे-संग फीड बर्नरक सहयातासँ हरेक ब्लाग-साइटपर प्रकाशित सामग्री केर सूचना पाठक लग तुरंत पहुँचि जाइत छै। ब्लाग एग्रीगेटर कियो आ कतेको संख्यामे बना सकै छथि मुदा मैथिलीमे एकर पहिल प्रयास विदेह (पत्रिका) द्वारा भेलै।

9) विदेहक हरेक अंककेँ मिथिलाक्षर (तिरहुत्ता)मे प्रकाशन सेहो विदेहक प्रसंशनीय काज अछि। बहुत लोक लिपि लेल कानै छथि मुदा कोनो प्रयास नै करै छथि मुदा विदेह चुप-चाप बिना कोनो कनने-खिजने हरेक अंकक प्रकाशन मिथिलाक्षर (तिरहुत्ता)मे केलक। विदेह-सदेह केर अंक सभ सेहो मिथिलाक्षर (तिरहुत्ता)मे प्रकाशित भेल छै।

10) विदेहक हरेक अंककेँ ब्रेल लिपिमे प्रकाशन सेहो विदेहक प्रसंशनीय काज अछि। विदेह-सदेह केर अंक सभ सेहो ब्रेल लिपिमे प्रकाशित भेल छै। श्रुति प्रकाशनक बहुत पोथी सेहो ब्रेल लिपिमे प्रकाशित छै आ एहि पोथी सभकेँ दरभंगा स्थित नेत्रहीन संस्थानक बच्चा सभहँक बीच पढ़बाक लेल सेहो बाँटल गेल छै।

11) विदेह भारत आ नेपालक मानक व्याकरणक मिलान कए कऽ एकटा उभय मानक भाषा बनेलक जाहिसँ कृत्रिम मानक भाषा खत्म भेल आ मैथिली ओहनो लोक धरि पहुँचल जकरा उच्चवर्ग उपेक्षित कऽ देने छलखनि। विदेहक एहि मानक भाषाकेँ "भाषा पाक" द्वारा अभिहित कएल जाइत छैक।

12) मैथिलीमे रचनाकार केंद्रित विशेषांक प्रायः रचनाकारक मृत्युक बाद प्रकाशित करै छथि विभिन्न पत्रिका मुदा विदेह एहि चलनकेँ तोड़ि जीवित रचनाकारक उपर विशेषांक प्रकाशित कएल जाइत छै। विदेहसँ प्रकाशित विशेषांक केर सूची एना अछि--

1) हाइकू विशेषांक 12 म अंक, 15 जून 2008

2) गजल विशेषांक 21 म अंक, 1 नवम्बर 2008

3) विहनि कथा विशेषांक 67 म अंक, 1 अक्टूबर 2010

4) बाल साहित्य विशेषांक 70 म अंक, 15 नवम्बर 2010

5) नाटक विशेषांक 72 म अंक 15 दिसम्बर2010

6) नारी विशेषांक 77म अंक 01 मार्च 2011

7) बाल गजल विशेषांक विदेहक अंक 111 म अंक, 1 अगस्त 2012

8) भक्ति गजल विशेषांक 126 म अंक, 15 मार्च 2013

9) गजल आलोचना-समालोचना-समीक्षा विशेषांक 142 म, अंक 15 नवम्बर 2013

10) काशीकांत मिश्र् मधुप विशेषांक 169 म अंक 1 जनवरी 2015

11) अरविन्द ठाकुर विशेषांक 189 म अंक 1 नवम्बर 2015

12) जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल विशेषांक 191 म अंक 1 दिसम्बर 2015

13) दू अंकमे विदेह सम्मान विशेषाक- 200म अक 15 अप्रैल 2016/ 205 म अक 1 जुलाई 2016

14) मैथिली सी.डी./ अल्बम गीत संगीत विशेषांक- 217 म अंक 01 जनवरी 2017

13) विदेह सदिखन साहित्यिक प्रयोगमे विश्वास राखै छै। एही प्रयोगकक अंतर्गत विदेह लेखकसँ आमंत्रित रचनापर आमंत्रित आलोचकक टिप्पणीक शृंखला प्रकाशित कऽ रहल अछि जकर विवरण एना अछि--

1.कामिनीक पांच टा कविता आ ओइपर मधुकान्त झाक टिप्पणी (अंक 209, 1-9-2016)

15) विदेहक विभिन्न अंकक श्रेष्ठ रचना सभकेँ चूनि कऽ एखन धरि दस खंडमे प्रिंट रूप सेहो प्रकाशित कएल गेल अछि जकर विवरण एना अछि--

विदेह:सदेह:1 (विदेह ई-पत्रिकाक बीछल रचनाक संग- मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ रचनाक एकटा समानान्तर संकलन)

विदेह:सदेह:2 (मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना 2009-10)

विदेह:सदेह:3 (मैथिली पद्य 2009-10)

विदेह:सदेह:4 (मैथिली कथा 2009-10)

विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह 5]

विदेह मैथिली लघुकथा [विदेह सदेह 6]

विदेह मैथिली पद्य [विदेह सदेह 7]

विदेह मैथिली नाट्य उत्सव [विदेह सदेह 8]

विदेह मैथिली शिशु उत्सव [विदेह सदेह 9]

विदेह मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना [विदेह सदेह 10]

मैथिली गजलमे विदेहक (www.videha.co.in) योगदान

जखन कोनो विधा विशेष अपन चरमपर पहुँचै छै ताहिसँ पहिने ओकरा पाछाँ कोनो ने कोनो एकटा पत्र-पत्रिकाक सोडःर लागल रहै छै। जँ 2008क बाद बला गजलकेँ देखी तँ निश्चित रूपसँ विदेह (पहिल ई पाक्षिक

पत्रिका)क खुलल समर्थन देलक आ समय-समयपर गजलसँ सम्बन्धित विशेषांक निकालि गजलकेँ आगू बढ़ेलक। ओना ई कहब कोनो बेजाए नै जे जतेक काज अनचिन्हार आखर द्वारा देखाएल गेल अछि तकर पृष्ठभूमि विदेह छल आ अछि। तँ आउ देखी विदेहक किछु एहन काज जै बिना गजलक उत्थान सम्भव नै छल--

1) विदेहक 21म अंक (1 नवम्बर 2008) मे राजेन्द्र विमल जीक 2 टा गजल अछि। राम भरोस कापड़ि भ्रमर आ रोशन जनकपुरी जीक 11 टा गजल अछि। संगे-संग धीरेन्द्र प्रेमर्षि जीक 1 टा आलेख मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना। अछि संगे-संग ऐ आलेखक संग 1 टा गजल सेहो अछि प्रेमर्षि जीक। विदेहक ऐ अंकमे कतहुँ ई नै फड़िछाएल अछि जे ई गजल विशेषांक थिक मुदा विदेहक ऐसँ पहिनुक अंक सभमे गजलक मादें हम कोनो तेहन विस्तार नै पबै छी तँए हम एही अंककेँ विदेहक गजल विशेषांक मानलहुँ अछि।

2) विदेहक अंक 96 (15 दिसम्बर 2011) मे मुन्नाजी द्वारा गजल पर पहिल परिचर्चा भेल। ऐ परिचर्चाक शीर्षक छल मैथिली गजल: उत्पत्ति आ विकास (स्वरूप आ सम्भावना)। ऐमे भाग लेलथि सियाराम झा सरस, गंगेश गुंजन, प्रेमचंद पंकज, शेफालिका वर्मा, मिहिर झा ओमप्रकाश झा, आशीष अनचिन्हार आ गजेन्द्र ठाकुर भाग लेलथि। ऐकेँ अतिरिक्त राजेन्द्र विमल, मंजर सुलेमान ऐ दूनू गोटाक पूर्वप्रकाशित लेखक भाग, धीरेन्द्र प्रेमर्षिजीक पूर्व प्रकाशित लेख) सेहो अछि।

3) विदेहक अंक 111 (1/8/2012) जे की बाल गजल विशेषांक अछि जाहिमे कुल 16 टा गजलकारक कुल 93 टा बाल गजल आएल। संक्षिप्त विवरण एना अछि--

रूबी झा जीक 13 टा बाल गजल, इरा मल्लिक जीक 2 टा, मुन्ना जीक 3 टा, प्रशांत मैथिल जीक 1 टा, पंकज चौधरी (नवल श्री) जीक 8 टा, जवाहर लाल काश्यप जीक 1 टा, क्रांति कुमार सुदर्शन जीक 1 टा, जगदीश चंद्र ठाकुर अनिल जीक 1 टा, अमित मिश्रा जीक 30टा, ओमप्रकाश जीक 1 टा, शिव कुमार यादव जीक 1 टा, चंदन झा जीक 14 टा, जगदानंद झा मनु जीक 6 टा, राजीव रंजन मिश्रा जीक 4 टा, मिहिर झा जीक 4 टा, गजेन्द्र ठाकुर जीक 1 टा आ ताहि संगे आशीष अनचिन्हारक 2 टा बाल गजल आएल।

बाल गजलक आलावे 7 टा बाल गजल पर आलेख आएल। आलेख कारसँ छथि मुन्ना जी, ओमप्रकाश, चंदन झा, जगदानंद झा मनु, अमित मिश्र आ आशीष अनचिन्हार आ मिहिर झा।बाल गजल आ बाल गजल आलेख छोड़ि ऐ अंकमे योगेन्द्र पाठक वियोगी जीक 1 टा लघुकथा, श्री राजक 1 टा आलोचना, मुन्ना जीक 1 टा आलोचना, आशीष अनचिन्हार द्वारा जगदीश प्रसाद मंडल जीक साक्षात्कार, जगदानंद झा मनु आ जवाहर लाल काश्यपक 11 टा विहनि कथा, सुजीत झाक 1 टा रिपोर्ट, जगदीश प्रसाद मंडल जीक 1 टा लघुकथा, मुन्नी कामति जीक 8

टा कविता, जगदीश चंद्र ठाकुर अनिल जीक 1 टा गीतक अगिला भाग, किशन कारीगरक 1 टा कविता, राजेश झाक 2 टा कविता, पंकज चौधरी नवल श्रीक 1 टा कविता आ संगे संग पुनः जगदीश प्रसाद मंडल जीक 5 टा गीत अछि।

4) विदेहक 15 मार्च 2013 बला 126म अंक भक्ति गजल विशेषांक छै। ऐमे आएल रचना सभहँक विवेचन एना अछि--

अमित मिश्र जीक 6 टा भक्ति गजल अछि। श्रीमती इरा मल्लिक जीक 4 टा भक्ति गजल अछि। जगदानंद झा मनु जीक 5 टा भक्ति गजल अछि। पंकज चौधरी नवल श्री जीक 3 टा भक्ति गजल अछि। जगदीश चंद्र ठाकुर अनिल, मिहिर झा आ विंदेश्वर ठाकुर जीक 11 टा भक्ति गजल अछि। आशीष अनचिन्हार द्वारा लिखल एक गोट आलेख भक्ति गजल अछि जैमे कविवर सीताराम झा जीक एकटा भक्ति गजल सेहो अछि।

5) 15 नवम्बर 2013कैँ विदेहक 142म अंक "गजल आलोचना-समालोचना-समीक्षा" विशेषांक छल। ऐ विशेषांकमे आन विधाक रचना ओ स्थायी स्तंभ छोड़ि गजलक आलोचना एना आएल--

1) अमित मिश्रा जीक 2 आलेख अछि।

2) आशीष अनचिन्हारक 10 टा आलेख अछि।

3) ओमप्रकाश जीक 6 टा आलेख अछि।

4) गजेन्द्र ठाकुर जीक 4 टा आलेख अछि (संपादकीय सहित)

5) चंदन झा जीक 1 टा आलेख अछि।

6) जगदीश चंद्र ठाकुर अनिल जीक 2 टा आलेख अछि।

7) जगदानंद झा मनु जीक 1 टा आलेख अछि।

8) धीरेन्द्र प्रेमर्षि जीक 1 टा आलेख अछि।

9) मुन्ना जीक 1 टा आलेख अछि।

ऐ रचना सभहँक अलावा विदेहक अन्य स्थायी स्तम्भक रचना सभ सेहो अछि। आब किछु गप्प विदेहक फेसबुक वर्सन लेल। मात्र एतबे कहऽ चाहब जे विदेहक फेसबुक वर्सन फैक्ट्री अछि गजलक आ विदेह पत्रिका वेयरहाउस अछि। फैक्ट्रीमे रचना रचल गेलै आ वेयरहाउसमे जा कऽ पाठक लग पहुँचि गेलै। मैथिली गजलक विकासमे विदेहक फेसबुक भर्सन सेहो अतिसहायक भेल अछि।

एकर अतिरिक्तो विदेहक बहुत काज छै मुदा एहिठाम संक्षिप्त रूपमे वर्णन कएल गेल अछि।

मैथिल आर मिथिला (http://maithilaurmithila.blogspot.com/, आब मिथिला दैनिक http://www.mithiladainik.in/)-- जनवरी 2008सँ शुरू भेल जकर संचालक जितमोहन झा जीतू छलाह (मिथिला दैनिक लेल वएह संचालक छथि)। एहि ब्लागपर मैथिली भाषाक सभ विधाक पोस्ट देल जाइत छल। वस्तुतः मैथिल आर मिथिला मैथिलीक भाषाक पहिल ब्लाग अछि जे कि अपन स्वरूप लऽ कऽ सर्वलोकप्रिय भेल आ मैथिली ब्लाग केर इतिहासमे लोकप्रियताक एकटा नव बाट मैथिलीकैँ देखेलक। एहि ब्लागक लोकप्रियता एहीसँ अनुमान कएल जा सकैए जे पहिले सालमे एकरा भिजिट करए बलाक संख्या एक लाख टपि गेल। एहि पाँतिकैँ लिखैत काल धरि एकर दोसर स्वरूप (मिथिला दैनिक)पर 38 लाखसँ बेसी भिजिट भेल अछि। मैथिलीक आरंभिक कालक के एहन ब्लागर हेता जे कि मैथिल आर मिथिलापर अपन रचना नै देने हेता, वा भिजिट नै केने हेता। मैथिल आ मिथिला गीतक संगीतक आडियो भिडियो सेहो अपन ब्लागपर पोस्ट केलक (कुल 400सँ बेसी) आ ईहो एकरा लोकप्रिय हेबामे योगदान केलकै।कुल मिला कऽ ई ब्लाग मैथिलीक ब्लागिंग इतिहासमे मीलक पाथर अछि। एकर दोसर स्वरूप (मिथिला दैनिक) समाचार केंद्रित अछि आ तकरो विवरण आगू चलि समाद बला खंडमे हएत।

अनचिन्हार आखर (https://anchinharakharkolkata.blogspot.in)----

11/4/2008कैँ “अनचिन्हार आखर” नामक ब्लाग इंटरनेटपर आएल। अनचिन्हार आखर केर छोटका नाम " अ-आ " राखल गेल अछि। ई ब्लाग आशीष अनचिन्हार द्वारा शुरू कएल गेल छल आ समय-समयपर आन-आन गजलकार सभकैँ जोड़ल गेल। वर्तमानमे ई ब्लाग आशीष अनचिन्हार आ गजेन्द्र ठाकुर द्वारा संपादित भऽ रहल अछि।एहि ब्लागपर खाली गजल, शेरो-शाइरी ओ एहीसँ संबंधित रचना देल जाइत अछि। इंटरनेटक संसारमे मैथिली गजलकैँ स्थापित आ ओहिसँ बाहर लोकप्रिय करबाक श्रेय अनचिन्हारे आखरकैँ छै। इंटरनेटक संसारमे अनचिन्हार आखरक अलग ओ बेछप स्थान छै। अनचिन्हार आखरकक किछु काज निच्चा देल जा रहल अछि----

1) अ-आ प्रिंट वा इंटरनेटपर पहिल उपस्थिति अछि जे की मात्र आ मात्र मैथिली गजल एवं गजल अधारित विधापर केन्द्रित अछि।

2) अ-आ केर आग्रहपर श्री गजेन्द्र ठाकुर जी गजलशास्त्र लिखला जे की मैथिलीक पहिल गजलशास्त्र भेल।

3) अ-आ द्वारा "गजल कमला-कोसी-बागमती-महानन्दा सम्मान" केर शुरूआत भेल। जे की स्वतन्त्र रूपें गजल विधा लेल पहिल सम्मान अछि।

4) अ-आ केर ई सौभाग्य छै जे ओ मैथिली बाल गजल नामक नव विधाकेँ जन्म देलक आ ओकर पोषण केलक। मैथिली भक्ति गजल सेहो अ-आ केर देन अछि। विदेहक अङ्क 111 पूर्ण रूपेण बाल-गजल विशेषांक अछि आ अङ्क 126 भक्ति गजल विशेषांक।

5) बर्ख 2008 आ 2015 माँझ करीब 30टासँ बेसी गजलकार मैथिली गजलमे एलाह। ई गजलकार सभ पहिनेसँ गजल नै लिखै छलाह। सङ्गे-सङ्ग करीब 5टा समीक्षक-आलोचक सेहो एलाह।

6) पहिल बेर मैथिली गजलक क्षेत्रमे एकै बेर करीब 16-17 टा आलोचना लिखाएल।

7) अ-आ मैथिली गजलकेँ विश्वविद्यालय ओ यू.पी.एस. सी एवं बी.पी.एस. सीमे स्थान दिएबाक अभियान चलौने अछि आ एकटा माडल सिलेबस सेहो बना कऽ प्रस्तुत केने अछि।

8) अ-आ प. जीवन झा जीक मृत्यु केर अंग्रेजी तारीख पता लगा ओकरा गजल दिवस मनेबाक अभियान चलौने अछि।

9) अ-आ 1905सँ लऽ कऽ 2013 धरिक गजल सङ्ग्रहक सूची एकट्ठा ओ प्रकाशित केलक व्याकरणयुक्त एवं व्याकरणहीन दूनू)।

10) अ-आ अधिकांश गजलकारक (व्याकरण युक्त एवं व्याकरणहीन दूनू) संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत केलक।

11) अ-आ 62 खण्डमे गजलक इस्कूल नामक श्रृखंला चलौलक जे की समान्य पाठकसँ लऽ कऽ गजलकार धरि लेल समान रूपसँ उपयोगी अछि।

12) अ-आ मैथिलीमे पहिल बेर आन-लाइन मोशयाराक आरम्भ केलक आ ई बेस लोकप्रिय भेल।

13) मैथिली गजल आ अन्य भारतीय भाषाक गजल बीच संबंध बनेबाक लेल "विश्व गजलकार परिचय शृखंला" शुरू कएल गेल।

अनचिन्हार आखरक एही काज सभकेँ देखैत मैथिली गजलक पहिल अरूजी गजेन्द्र ठाकुर 2008क बाद सँ लऽ कऽ वर्तमान कालखंडकेँ "अनचिन्हार युग" केर नाम देलाह।

बताह मैथिल केर नामसँ एकटा ब्लाग आ एकटा साइट अछि। ब्लाग केर पता http://batahmaithil.blogspot.in/ अछि। एकर संचालक पंकज कुमार झा छथि। ई ब्लाग September 2007क लगभगसँ अछि। एहि ब्लागपर मिश्रित विषय केर पोस्ट सभ रहैत अछि मने ई ब्लाग कोनो विषयकेँ अनुसरण नै करैत अछि। एहि ब्लागक अंतिम पोस्ट जनवरी दू हजार सोलहमे भेलै। बताह मैथिल नामक साइट केर पता http://bataahmaithil.in/ अछि। एहि साइट केर संचालक धनंजय झा छथि। एहि साइटपर कंप्यूटर ओ इंटरनेटक तकनीकी जानकारीक संग हास्य ओ व्यंग्य मूलक पोस्ट सेहो रहैत अछि। कुल मिला कऽ ई दूनू बताह मैथिल मैथिलीक लेल नीक अछि।

मिथिला-विदेह-वज्जि (http://mithilavidehavajjitirhut.blogspot.in)-- डा. शशिधर कुमर द्वारा संचालित ब्लाग अछि। एहि ब्लागक एकमात्र मुदा मैथिली लेल यूनिक विशेषता ई अछि जे एहिठाम मिथिलामे रहए बला सभ जीव-जंतुक उपर कविता बनाए ओकर सचित्र वर्णन अछि। संगे संग आनो मुद्दा ओ विषयपर ई ब्लाग अपन विचार प्रस्तुत करैत अछि।

ई-मिथिला (http://www.emithila.in)-- बालमुकुंद पाठक द्वारा संचलित ब्लाग थिक जे कि मैथिलीसँ संबंधित विभिन्न मुद्दाक पोस्टसँ सजल अछि। समान्यतः एहिठाम बालमुकुन्द, विकाश वत्सनाभ आ मुकुन्द मयंक द्वारा पोस्ट देल जाइत अछि। वर्तमान समयमे एहिपर पोस्टक संख्या कम छै मुदा नीक सभ छै। आगू चलि ई आर झमटगर हएत से विश्वास अछि।

उपरमे देल गेल ब्लाग-साइटक अतिरिक्त किछु एहनो ब्लाग-साइट अछि जे कि व्यक्तिगत मैथिली रचनासँ भरल अछि आ पाठक लेल आकर्षण बनल अछि जेना धीरेन्द्र प्रेमर्षिजीक http://hellomithila.blogspot.com/, ओमप्रकाशजीक ब्लाग - http://opjha.blogspot.com/, राजीवरंजन मिश्रजीक ब्लाग http://rajeevranjanmishra.blogspot.in/, अमित मिश्रा ब्लाग http://navanshu.blogspot.in/, सुमित मिश्र गुंजन केर ब्लाग http://sumittarang.blogspot.in/, जगदानंद झा मनुजीक ब्लाग

http://maithiliputr.blogspot.in/, कुंदन कुमार कर्णजीक ब्लाग http://www.kundanghazal.com/ आदि। अनचिन्हार आखरक अतिरिक्त विदेहक आरो सहयोगी ब्लाग जेना मैथिली बिहनि कथा, मैथिली हाइकू, मैथिली कविता, खेल-कूद आदिक विवरण आगू फेसबुक बला खंडमे भेटत। एहिठाम ई स्पष्ट करी जे ई अंतिम लिस्ट नै अछि। भऽ सकैए जे बहुतो नीक-नीक ब्लाग-साइट हमरा नजरिसँ छूटि गेल हएत। उम्मेद अछि जे अहाँ सभ ओकर नाम सभ हमर मेल ashish.anchinhar@gmail.com पर पठा देब। हम तुरंत ओकर काज समीक्षा करैत एहि ठाम उचित जगहपर ओकर विवरण देबै।

समाद खंड

समदिया, हेलो मिथिला, इसमाद, नवमिथिला, मैथिली जिंदाबाद, मिथिला मिरर, मिथिला दर्शन, मिथिला प्राइम, मिथिला दैनिक आदि। निच्चा एकर विवरण देल जा रहल अछि--

समदिया (http://esamaad.blogspot.in/)--- ई ब्लाग गजेन्द्र ठाकुर जी द्वारा 9 अगस्त 2004मे बनाएल गेल छल समादक वास्ते मुदा 2008सँ प्रियंका झा ओ पूनम मंडल संपादित कऽ रहल छथि। एहि ब्लागपर अंतिम पोस्ट 2015 केर अछि। एहि ब्लागपपर मिथिला-मैथिलीसँ संबंधित सभ प्रकारक समाद छपै छलै। एकर तीन टा वैचारिक केंद्र छलै "मिथिला आ मैथिलीक विकासपर आलेख", परिचर्चाःविदेह गोष्ठी, आ "हम पुछैत छी"। हम पुछैत छी साक्षात्कार शृखंला अछि। समादक अलावे। समदियाकेँ प्रोत्साहित करबाक लेल ई ब्लाग अगस्त 2011सँ "ऐ मासक सभसँ नीक समदिया सम्मान" शुरू केलक। ई सम्मान अपना तरहँक पहिल प्रयोग अछि जे कि बादमे आन मैथिली पत्रिकारितामे सेहो शुरू कएल गेल। चूँकि ई प्रारंभिक समाद सेवा छल इंटरनेटपर तँइ एकर संसाधन सीमित छल मुदा कुल मिला कऽ समादक क्षेत्रमे ई पहिल प्रयोग छल।

हेलो मिथिला (http://www.hellomithila.com/)-- हेलो मिथिला ब्लाग हितेन्द्र गुप्ताजी द्वारा अगस्त 2007मे शुरू कएल गेल छल। एकर पहिल पोस्ट लिंक http://www.hellomithila.com/2007/08/blog-post.html अछि। शुरूआती दौरक किछु पोस्टमे गुप्ताजी कविता सभ दैत रहाल मुदा तुरत ई ब्लाग समादक ब्लागमे बदलि जाइत अछि। ओना समादक ब्लाग बनलाक बाबजूदो एहिमे साहित्य केर स्थान बनले रहलै।

इसमाद (http://www.esamaad.com/)-- पहिने इसमाद पी.डी.एफ रूपमे इंटरनेट संस्करण छपैत छल। एकर पहिल अंक 15 जनवरी 2008कैँ प्रकाशित भेल। एहि अंकक समदिया दरभंगवी, प्रबंध समदिया ममता शंकर, समदिया कुमुद सिंह छलीह। ई सभ समाचार पहिल अंकक अंतिम पृष्ठपर प्रकाशित अछि। आ अइसँ साफ अछि जे ई प्रिंट रूपमे नै छल। समादक इंटरनेट संस्करण 28 फरवरी 2009 धरि चलल (अंक 24) आ तकर बाद ई इंटरनेट पोर्टल इसमाद (http://www.esamaad.com/)मे बदलि गेल आ एहि ठाम आनलाइन खबरि प्रकाशित करए लागल। दरभंगाक मुद्दापर फोकस करब एहि पोर्टलक मुख्य विशेषता अछि तँ हिंदी समादक मैथिली अनुवाद करैत काल मैथिलीकैँ हिंदियाइन बना देब एहि पोर्टलक कमजोरी अछि।

मिथिला प्राइम (http://www.mithilaprime.in) जुलाई 2012सँ मिथिला प्राइम मैथिलीमे समाद देनाइ शुरू केलक। एहि पोर्टलपर आदित्य झा द्वारा बेसी समाद प्रकाशित होइत अछि।

मिथिला मिरर (http://www.mithilamirror.com)-- एहि समाद सेवाक पहिल संपादकीय 15 December 2013 कैँ लिखल गेल छै। ई वेबसाइट एकटा एहन वेबसाइट अछि जे कि मैथिली समादकैँ प्रोफेशनल बनेबा दिस आगू बढ़ल। एकर संचालक छथि ललित नारायण झा। आगू चलि लगभग २०१७ मे एही नामसँ प्रिंट पत्रिका सेहो ललितजी प्रकाशित केलाह। एकर यूट्यूब चैनल सेहो अछि जकर ओहि खंडमे वर्णन हएत।

नव मिथिला (http://www.navmithila.com/)-- 21 अक्टूबर 2014 धनतेरसक दिन शुरू भेल नव मिथिला कलकत्ता लेल एकटा प्रमाणिक समाद सेवा अछि। एकर शुरूआत प्रकाश झा द्वारा भेल अछि। एहिसँ पहिले 2007मे प्रकाशजी मिथिला लाइव (www.mithilalive.com) चलबैत छलाह जे कि एखन सक्रिय नै अछि।

मैथिली जिंदाबाद (http://www.maithilijindabaad.com/)-- 11 अप्रैल 2015सँ मैथिली जिंदाबाद प्रवीण नारायण चौधरीक अगुआइमे बिराटनगरसँ शुरू भेल। अगस्त 2016मे एकर ई-पेपरक पहिल अंक आएल।

मिथिला दर्शन न्यूज (http://maithili.mithiladarshan.news/)---दिल्लीसँ संचालित मिथिला दर्शन न्यूज पिछला बरख 07 अप्रैल 2016कैँ अस्तित्वमे आएल। तकरा बादसँ लगातार सक्रिय अछि।

एहि न्यूज पोर्टल केर शुरू करबाक विचार सर्वप्रथम मैथिली सिनेमा हाफ मर्डर केर निर्देशक-निर्माता रमानाथ झाक मोन आएल छलन्हि। एहि पोर्टलक सदस्य एना छथि- प्रधान सम्पादक: राहुल राय (मिथिला मिरर केर पूर्व संस्थापक सह उप-संपादक छथि), प्रबंध सम्पादक: रमानाथ झा, संवाददाता- प्रभात झा, अंजू भाटी, सलाहकार: कार्तिकेय मैथिल, सागरनाथ झा, नीरज मिश्रा "मुन्नु ", जटाशंकर मिश्र, मनोज पांडे, मनीष झा, अमित पाठक आदि। कोनो बड़का न्यूज कंपनी जकाँ ईहो पोर्टल दू टा भाषाक चुनावपर आधारित अछि। जँ अहाँ मैथिली चूनब तँ सभ समाद मैथिलीमे आएत आ हिंदी चूनब तँ सभ समाद हिंदीमे आएत। एहि पोर्टलकेँ अहाँ कम्पलीट न्यूज पोर्टल कहि सकै छियै जाहिमे बिहार (मिथिलाक अलावे अन्य राज्यपर बटन दबा कऽ ओहि राज्यक संबंधित समाद पाबि सकै छी। एहि पोर्टलपर कारोबार, आध्यत्म सहित आनो विषयपर समाद भेटत। मैथिली भाषाक हिसाबे सेहो शुद्धता रहैत अछि।

नाटक, फिल्म एवं संगीत

मैथिली लोक गीत http://maithilivideos.blogspot.com/2007/-- ई ब्लाग राजीव रंजन लाल ई द्वारा संचालित छल जकर पहिल आ अंतिम पोस्ट रवि, 25 मार्च 2007 के भेल।

मैथिली सांगस हब (Maithili Songs Hub)-- एहि ब्लाग केर पहिल पोस्ट June 2009मे भेलै। एकर लिंक अछि http://maithilisongshub.blogspot.in/2009/06/blog-post.html ई पूर्णतः मैथिली गीत-संगीतपर आधारित अछि आ एहिमे आर कोनो विषय केर पोस्ट नै होइत अछि। ई ब्लाग कोनो कैसेट वा सी.डीक पूराक पूरा ब्लागपर दैत अछि जकरा श्रोता फ्रीमे डाउनलोड कऽ सकै छथि। ई हमरा लेल अफसोचक गप्प जे एहि ब्लागक संचालककेँ छथि से हमरा पता नै लागि सकल। सभ पोस्ट Maithil केर नामसँ पोस्ट होइत छै। एहि ब्लागपर अंतिम पोस्ट अगस्त 2015 केर अछि। नहियो किछु तँ एहि ब्लागपर 1000सँ उपर गीतक संकलन हएत जे कि मैथिलीक हिसाबें एकटा नमहर आ धैर्यपूर्वक कएल काज छै।

मैथिली फिल्म्स (http://maithilifilms.blogspot.in/)- ई ब्लाग हमरा द्वारा जून 2011मे शुरू भेल छल जाहिपर खाली मैथिली फिल्म, नाटक ओ गीत-संगीत संबंधित पोस्ट देल जाइत अछि। एकर पहिल पोस्ट 14 जून 2011कैँ भेल छल जकर लिंक http://maithilifilms.blogspot.in/2011/06/ अछि।

विदेह मैथिली नाट्य उत्सव (http://maithili-drama.blogspot.com/)-- ई ब्लाग अगस्त 2011मे शुरू भेल एकर पहिल पोस्टक लिंक http://maithili-drama.blogspot.in/2011/08/ अछि।

मैथिली सिनेमा (http://maithilicinema.blogspot.in/)- भाष्कर झा शुरू कएल ब्लाग अछि एकर पहिल पोस्टक लिंक http://maithilicinema.blogspot.in/2011/08/history-of-maithili-films-birds-eye.html अछि। ई ब्लाग अगस्त 2011मे शुरू भेल जकर प्रमाण पहिल पोस्टक लिंक अछि मुदा "कतेक रास बात" केर संचालक जकाँ भाष्कर झा सेहो तारीखकेँ पाछू आनि अपन ब्लागकेँ मैथिली फिल्म संबंधी पहिल ब्लाग-साइट घोषित कऽ रहल छथि (देखू चित्र निच्चा)। भाष्कर झा एकरा "First Portal of Maithili Films, Artists, Songs, Music, Theater and Entertainment मैथिली फ़िल्म, कलाकार, गीत- संगीत, रंगमंच आ मनोरंजनक पहिल मैथिली पोर्टल" मानै छथि आ ब्लागपर लिखनेहों छथि। मुदा उपरमे हम सभ देखि चुकल छी जे मैथिली गीत-संगीत अधारित ब्लाग मैथिली गीत-संगीत अधारित ब्लाग "मैथिली लोक गीत" 2007 मे आ "मैथिली सांगस हब" 2009 मे बनि चुकल अछि। आ तँइ भाष्कर झाक ई कहब जे "मैथिली सिनेमा" मैथिली गीत-संगीतक पहिल पोर्टल अछि इतिहासकेँ झूठ करबाक एकटा साजिश अछि। एहने हाल हिनकर फिल्म संबंधी घोषणाक सेहो अछि। उपरमे अहाँ सभ देखबे केलहुँ जे "मैथिली फिल्म" नामक ब्लाग जून 2011मे बनि चुकल अछि तखन भाष्कर झाक दाबी कतेक सत्य। प्रस्तुत प्रमाणपर ई मानब उचित जे "मैथिली लोक गीत" मैथिलीक नाटक-फिल्म ओ गीत-संगीतक पहिल पोर्टल अछि। जकर वृहद् विस्तार "मैथिली सांग्स

हब" अछि।

Facebook | Blogger: अनचिन्हार आखर | Drafts (114) - ashish.anc | MAITHILI CINEMA मैथिली | http://maithilicinema.blo

maithilicinema.blogspot.in/2011/08/history-of-maithili-films-birds-eye.html

MAITHILI CINEMA मैथिली सिनेमा

First Portal of Maithili Films, Artists, Songs, Music, Theater and Entertainment मैथिली फ़िल्म, कलाकार, गीत- संगीत, रंगमंच आ मनोरंजनक पहिल मैथिली पोर्टल

Home | MAITHILI FILM HISTORY | FILMS POSTERS-TRAILER | MAITHILI SONGS | MAITHILI NEWS | MAITHIL ARTISTS | MAITHILI FILMS LIST

Maithili Cineworld
Liked

विषय वस्तु के चोरी नहिं कएल जाव अन्यथा कानूनी कार्रवाई कएल जाएत

PROTECTED BY COPYSCAPE DO NOT COPY

Sunday, July 24, 2011

History Of Maithili Films: A Bird's Eye View

...ry Of Maithili Films: A Bird's Eye View

Of all the languages of India Maithili is considered to be the sweetest and most cultured. It is needless to point out that Maithili is spoken by about 6 -7 crores of the people of not only India but abroad also. The most significant characteristic feature of this sweet language is that it has its own grammar ,literature, culture ,customs, almanac and geographical area .Maithili language is known all over the world for its sweetness, classical epics, melodious songs of Poet Vidyapati and what not. In the light of all this riches possessed by Maithili that it has been accorded a place in the Constitution of India.

Cinema is supposed to be the vehicle of expression of literature of a language. Seeing the importance and popularity of the cinema, it has become a literary form. It is in a way a visual literature compact in itself.

As far as Maithili cinema is considered, it has remained till date at back foot which is a matter of utter shame and serious concern for all the Maithils. However, some people have tried their best to heip Maithili cinema get its due. Let us delve deep into the history and milestones whatever of Maithili Cinema.

Search

Search

Followers

Followers (205) Next

11:26 PM
10/10/2017

ई-कामर्स

प्रोफेशनल तरीकाक बात करी तँ सैप्पीमार्ट मैथिलीक एखन धरिक सभसँ नीक ई कार्मसक वेबसाइट अछि। श्रुति प्रकाशन, बिहार लोकमंच, मिथिला हाट आदि मैथिली ई कामर्सक शुरुआती दौरक वेबसाइट अछि। वेबसाइट सभहँक लिंक एना अछि बिहार लोकमंच http://www.biharlokmanch.org/ श्रुति प्रकाशन http://www.shruti-publication.com/ (ई लिंक एखन काज नै क' रहल अछि) मिथिला हाट http://emithilahaat.com/ सैप्पीमार्ट http://www.sappymart.com/

सैप्पीमार्ट केर संचालक मुकुंद मयंक आ बालमुकुंद छथि।

बाल संबंधी

नेना भुटका नामसँ २००९ मे एकटा ब्लाग बनल जे कि बाल साहित्यपर केंद्रित अछि आ एकर लिंक अछि http://mangan-khabas.blogspot.in/2009/11/111.html ई ब्लाग गजेन्द्र ठाकुरजी द्वारा संचालित अछि। एहिपर बाल साहित्यक लगभग सभ विधा अछि। नेना भुटका नामसँ बहुत बादमे फेसबुकपर देवाशुं वत्स द्वारा फेसबुक ग्रुप बनाएल गेल जकर विवरण आगू देल जाएत। एहि केर अतिरिक्त बाल साहित्य केंद्रित वेबसाइट हमरा नजरिमे नै आएल।

फाइन आर्ट

एहि खंडमे किछु मिथिला पेटिंग बला वेबसाइट अछि। http://www.mithilaarts.com/

http://mithilaartinstitute.org

अन्य

मैथिली चुटकुला, सगर राति दीप जरय, http://videhaquiz.blogspot.in/

विदेहक आन ब्लाग

बाल संबंधी

http://mangan-khabas.blogspot.in/ नेना भुटका,

1.विदेह रेडियो:मैथिली कथा-कविता आदिक पहिल पोडकास्ट साइट

http://videha123radio.wordpress.com/

2.Videha Radio

http://videha.listen2myradio.com/

9. सगर राति दीप जरय

http://sagarraatideepjaray.blogspot.in/

10. सगर राति दीप जरय

http://sagarraatideepjaray.wordpress.com

फेसबुक आ मैथिली

फेसबुक आ धर्म

फेसबुक आ समाज

फेसबुक आ राजनीति

2004 मे फेसबुक केर शुरूआत भेल आ लगभग 2008सँ फेसबुकपर मैथिली आएल (आएल मने साहित्यक रूपमे)। कहबाक मतलब जे लगभग 2008सँ मैथिल सभ खुलि कऽ बिना कोनो संकोचकेँ फेसबुकपर मैथिली भाषाक प्रयोग शुरू केलाह। सभ चीजक दुरूपयोग होइ छै आ फेसबुकक सेहो भेलै। तथापि ओइ दुरूपयोगक अलावे मैथिलीक संदर्भमे बहुत रास उपयोगी बात भेलै फेसबुकपर। प्राप्त जानकारीक अनुसारें 7 July 2008 केँ विदेहक फेसबुक भर्सन (फेसबुक ग्रुप केर रूपमे) विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका केर नामसँ एलै जकरा

एहि लिंकपर देखि सकै छी-https://www.facebook.com/groups/10299304978/ एहि ग्रुपक पहिल पोस्टक लिंक अछि-
https://www.facebook.com/groups/10299304978/permalink/428765254978/ बादमे एहि ग्रुपक सभ पोस्टकेँ विदेहक दोसर आ बेसी उन्नत ग्रुपमे परिवर्तित कऽ देल गेलै जकरा एहि लिंकपर देखि सकै छी-- https://www.facebook.com/groups/videha/ ई बदलाव लगभग 2010-11मे भेलै। इंटरनेटपर पहिल उपस्थिति कोन अछि तेहने सन तथ्यहीन बहस फेसबुकपर सेहो चलल जे "फेसबुकपर मैथिलीक पहिल ग्रुप कोन?"। मुदा पहिनेहें जकाँ सभ गोटा अपन-अपन ग्रुपक पहिल हेबाक दाबी बिना कोनो लिंककेँ करैत रहलाह। विदेह सदिखन प्रमाण प्रस्तुत करैत रहल अछि। एहि ठाम सेहो लिंक देल गेल अछि। तँइ एखन धरिक प्रमाणक आधारपर ई मानबामे कोनो संकोच नै जे ग्रुप केर रूपमे विदेहक ग्रुप फेसबुपर मैथिलीक पहिल उपस्थिति अछि। निच्चा किछु एहन तथ्य देल जा रहल अछि जाहिसँ मैथिलीक संदर्भमे फेसबुकक उपयोगिता साबित हएत---

फेसबुक, भाषा आ साहित्य

फेसबुक मैथिली भाषा आ साहित्य लेल बहुत योगदान केलक। बिना कोनो स्कूल गेने, बिना कोनो कोंचिंग गेने जतेक लोक एहिठाम मैथिली सिखलाह तकर गिनती नै। जँ सच पूछी तँ मैथिली आंदोलनकारी सभ जे स्कूल वा कालेजमे मैथिली पढ़ाइ लेल अनेरे मारि करै छथि ताहिसँ नीक जे ओ ओतबे समयमे फेसबुकपर मैथिली लिखबा लेल लोककेँ प्रोत्साहत करथि तँ बेसी नीक रिज्लट निकलत। ओना हमरा ई मानबामे संकोच नै जे स्कूल वा कालेजमे कोनो भाषाक पढ़ाइ केर एकटा अलग महत्व होइत छैक।निच्चा किछु एहन तथ्य देल जा रहल अछि जाहिसँ मैथिलीक संदर्भमे फेसबुकक उपयोगिता साबित हएत---

1) मैथिली भाषाक लिखित प्रयोग--- फेसबुकपर मैथिली लिखनाइ एकटा स्टेटस सिंबल बनि गेल आ शिक्षित-अशिक्षित, नेता-जनता, स्त्री-पुरुष सभ गोटा बिना कोनो वर्तनीकेँ वा कोनो गलतीकेँ चिन्ता केने मैथिली लिखला जाहिसँ मैथिली लिखए बला संख्या बढ़ल आ ई मैथिलीक भविष्य बहुत नीक रहत। फेसबुकपर साहित्य केर संदर्भमे विदेहक फेसबुक भर्सन बहुत रास काज केलक। एहि भर्सन द्वारा नव-नव लेखककेँ प्रोत्साहन भेटल जकर प्रभाव निकट भविष्यमे देखबामे आएत।

2) मैथिलीमे स्त्री लेखिकाक संख्या-- मैथिली लेल ई बहुत नीक जे फेसबुक मैथिली स्त्री लेल ओहन साधन बनि गेल जिनकर बोलकेँ बहुत रास कुन्नकमे फँसा कऽ राखि देने छल ई समाज। आजुक स्त्री कोनो बातक परबाह केने बिना अपन भावनाकेँ फेसबुकपर परसि रहल छथि। आ तइसँ मैथिलीमे नव-नव अध्याय-अनुभव जुड़ि रहल अछि।

3) मैथिली दलित साहित्य केर प्रचारक-- फेसबुकक माध्यमे भारत-नेपाल मिला कऽ जतेक मैथिलीक दलित लेखक, विचारक एलाह ततेक मात्र सिद्ध सरहपादे कालमे छल मने मैथिलीक एकदम शुरूआती समयमे। लगभग हजार सालसँ मैथिलीक समाजिक ताना-बानाकेँ जे तोड़ने छल तकरा फेसबुक तोड़ि देलक आ सही अर्थमे "मैथिल समाज" केर निर्माणमे सहयोग देलक।

फेसबुकपर मैथिलीक किछु प्रसिद्ध ग्रुप आ एकर काज ---

1) विदेहक फेसबुक भर्सन https://www.facebook.com/groups/videha/, एहि ग्रुप मुख्य एडमिन गजेन्द्र ठाकुर छथि। एहिठाम हम विदेहक फेसबुक भर्सन केर किछु काज संक्षिप्त रूपें देखा रहल छी

A) विदेह फेसबुक ग्रुपपर सभसँ पहिल काज मैथिली हाइकू केर अछि। गजेन्द्र ठाकुर पहिने हाइकू केर आलेख देलखिन तकर बाद हरेक दिन एकटा गाछक वा कोनो फोटो द' क' हाइकू लिखबाक आग्रह करै छलखिन। एकर प्रभाव तेहन तेहन भेलै जे सभसँ पहिने मैथिलीमे हाइकू केर लेखकमे अभूतपूर्व वृद्धि देखल गेल जाहिमे सुनील कुमार झा, मिहिर झा, ओमप्रकाश झा, इरा मल्लिक, शिव कुमार झा, ज्योति सुनीत चौधरी, अमित मिश्र, चंदन कुमार झा, मुन्नाजी, रामविलास साहु सहित एहि पाँतिक लेखक सेहो सम्मलित छथि। 2008सँ मैथिली हाइकू केर ब्लाग सेहो अछि जाहि ठाम विदेहक फेसबुक भर्सनसँ हाइकू केर संग्रह कएल गेल अछि। ई बल्गा एहि पतापर देखल जा सकैए http://maithili-haiku.blogspot.in/

B) फेसबुकक माध्यमसँ विदेह मैथिलीक वर्तनी ओ मानकता लेल नीक प्रयास केने अछि आ तही कारणसँ कमसँ कम इंटरनेटपर सुदूर नेपालसँ लए कऽ दरंभगाक मैथिली एकसमान भेल अछि (ईहो धातव्य जे किछु जबरदस्ती बला मानकता बला विद्वान सभ एखनो कृत्रिम मैथिलीकेँ पकड़ने छथि)। विदेहक एहि मानक भाषाक लेखककेँ "विदेह भाषा पाक" नाम देल गेलै जे कि विदेह पोथी डाउनलोडपर सेहो उपल्बध अछि।

C) विदेहक फेसबुक भर्सनपर जतेक नाटक संबंधी रचना आएल तकरा विदेह मैथिली नाट्य उत्सव नामक ब्लागपर राखल गेल अछि। विदेह ग्रुपक सहयोगसँ लगातार चनौरागंजमे विदेह नाट्य उत्सवक आयोजन भेल अछि जे कि मैथिलीमे समानांतर नाट्य अवधाणाकेँ मजगूत केलक।

D) विदेहक फेसबुक भर्सन मैथिली बीहनि कथाक लगातार सहयोगी बनल रहल। एहि ठाम देल गेल आ प्रोत्साहित भेल बीहनिकथाकारकेँ मैथिली बीहनिकथा ब्लागपर राखल गेल जकरा एहि लिंकपर देखल जा सकैए http://vihanikatha.blogspot.in/

E) विदेह ग्रुपपर आएल प्रमुख कविताकेँ मैथिली कविता नामक ब्लागपर राखल गेल अछि जकरा http://maithili-kavita.blogspot.in/ लिंकपर देखल जा सकैए। लगभग ४००सँ उपर कविताक संकलन अछि।

F) विदेह ग्रुपपर आएल प्रमुख कथाकेँ मैथिली कथा नामक ब्लागपर राखल गेल अछि जकरा http://maithili-katha.blogspot.in/ लिंकपर जा क' देखि सकै छी।

G) विदेह ग्रुपपर आएल प्रमुख आलोचना, समीक्षा आदिकेँ मैथिली कथा नामक ब्लागपर राखल गेल अछि जकरा http://maithili-samalochna.blogspot.in/ लिंकपर जा क' देखि सकै छी।

2) मिनाप MINAP(Mithila Natyakala Parishad) https://www.facebook.com/groups/258380252004/ एडमिन, सुनील कुमार मल्लिक, प्रवेश मल्लिक।,

3) मैथिली गजल भंडार, https://www.facebook.com/groups/mghajal/ एडमिन कुंदन कुमार कर्ण

4) मिथिलांगन ("MITHILANGAN" - A Literary, Social and Cultural Organisation), https://www.facebook.com/groups/mithilangan/, एडमिन आनंद रंजन

5) घटकैती झारखंड मिथिला मंच https://www.facebook.com/groups/226653764434000/, घटकैती झारखण्ड मिथिला मंचक शुरुआत 26 नवम्बर 16 के झारखण्ड मिथिला मंच के स्वयंसेवक भाई सुजीत झा जी केलथि। वर्तमान एडमिन निशा झा एवं सुजीत झा छथि। एहि ग्रुप द्वारा

पहिल विवाहक समाचार मई 17 मे प्राप्त भेल जे संपन्न भेल छल बोकारोमे, तकर बादसँ एखन धरि 40 गोटे समाचार देने छथि जे हम्मर पुत्र-पुत्री के विवाह एहि घटकैती ग्रुप द्वारा भेल, विवाह त बहुतो होइ ये ग्रुपक माध्यमे लेकिन ग्रुप मे सुचना बहुतो कम गोटे देइ छैथ, खैर कोनो बात नै हम सब निःस्वार्थ अप्पन कार्य में लागल छी, वर्तमानमे एहि ग्रुपमे 3000 सँ ऊपर बायोडाटा राखल अछि।

6) धूआ धजा https://www.facebook.com/groups/dhuadhaja/ (एडमिन परमेश्वर कापड़ि, कुमार भाष्कर),

7) समदिया https://www.facebook.com/groups/samadiya/ (प्रियंका झा, पूनम मंडल),

8) मैथिली फकरा, खिस्सा आ गप्प (Maithili Narrratives, Proverbs etc.)https://www.facebook.com/groups/467497710108271/ एडमिन सविता झा खान,

9) विदेह नाट्य उत्सव (https://www.facebook.com/groups/136683676426547/?ref=group_browse_new) एडमिन बेचन ठाकुर,

10) मैथिली थियेटर (https://www.facebook.com/groups/MAITHILIRANGMANCH/) एडमिन आशुतोष अभिज्ञ,

11) अछिंजल (https://www.facebook.com/groups/achhinjal/) एडमिन पवन झा,

12) नेना भुटका (https://www.facebook.com/groups/101930576873357/) एडमिन देवाशुं वत्स,

एकर अतिरिक्तो बहुत रास ग्रुप अछि जकरा जोड़ल जा सकैए।

ह्वाट्सएप आ मैथिली

ह्वाट्सएप बातचीत करबाक एकटा नवीनतम आ सुलभ साधन भऽ गेल छै। एकरा माध्यमसँ संदेश आ फोटो पठेनाइ एकदम आसान भऽ गेल छै। वर्तमानमे ह्वाट्सएपसँ फ्री काल केनाइ सेहो संभव छै। जनवरी 2009मे जेन कूम द्वारा जन्मल ह्वाट्सएप आब फेसबुक कीनि लेने छै। ह्वाट्सएप सेहो मैथिली लेल वरदान साबित भेल अछि। ह्वाट्सएप हजारों लोक देवनागरी आ रोमन लिपिक माध्यमें मैथिलीमे लिखित बातचीत कऽ रहल छथि।

ह्वाट्सएप ग्रुप बनेबाक सुविधा सेहो देने छै आ मैथिली एकर उपयोग सेहो केलक। ह्वाट्सएपपर मैथिलीक किछु ग्रुप एना अछि--

1) मैथिली गजल

2) मैथिली बिहनि कथा

एकर अलावे हजारो एहन ग्रुप अछि जकर नाम एहिठाम जोड़ल जा सकैए।

यूट्यूब आ मैथिली

फरवरी 2005मे यूट्यूब केर स्थापना भेल आ नवम्बर 2006 एकरा गूगल कीनि लेलकै। वर्तमान समयमे भीडियोक माध्यमसँ काज करबाक यूट्यूब केर बहुत पैघ सहारा छै। भीडियो शूट कए कऽ यूट्यूबपर अपलोड करू आ अपन बात सभ धरि पहुँचाबू। ई हरेक तरहँक भीडियो लेल छै। चाहे राजनीतिक हो कि समाजिक कि साहित्यिक कि कैरियरक। जीवनक हरेक क्षेत्रसँ संबंधित भीडियो भेटि जाएत एहिठाम। बेसी लोकप्रिय भेलापर ओहि भीडियोसँ अर्थोपार्जन सेहो होइत छै। यूट्यूबपर मैथिलीसँ संबंधित बहुत रास यूट्यूब चैनल अछि ताहिमेसँ किछु प्रमुख नाम एना अछि--

1) मिथिलांचल गीत

2) मैथिली टी.भी

3) गंगा मैथिली

4) अपन मैथिली

5) नीलम मैथिली लोक गीत

6) मिथिला मिरर

7) गजेन्द्र ठाकुरजीक चैनल

8) मधुर मिथिला

9) मिथिला मचान

एहि केर अतिरिक्त JHM News केर नामसँ एकटा नीक चैनल आएल अछि जे कि मैथिलीक अतिरिक्त हिंदीमे सेहो मैथिल-मिथिला-मैथिलीसँ संबंधित तथ्य सभ लग पहुँचाबै छथि। JHM News एकटा नीक प्रयास अछि। एकर प्रभाव निकट भविष्यमे देखबामे आएत। एकर अतिरिक्त आरो बहुत रास नीक-नीक चैनल सेहो अछि जकर नाम जोड़ल जा सकैए।

संदर्भ

कंप्यूटर नेटवर्क के क्षेत्र में क्रांति : इंटरनेट - विजयकुमार मल्होत्रा

http://pustakalaya.org/eserv.php?pid=Pustakalaya:1530&dsID=VinayaKasajoo2060BS_SuchanaPrabidhikoShakti.pdf

http://videha.co.in/feedback.htm

http://videha.co.in/feedback.htm

http://www.bbc.com/hindi/science/2014/02/140220_whatsapp_jan_koum_brian_acton_sdp.shtml

http://anchinharakharkolkata.blogspot.com/p/blog-page_24.html

https://anchinharakharkolkata.blogspot.in/p/blog-page.html

https://anchinharakharkolkata.blogspot.in/p/blog-page_4.html

https://anchinharakharkolkata.blogspot.in/2012/04/ashish-anchinhar-like-unfollow-post-27_08.html

https://anchinharakharkolkata.blogspot.in/2017/07/blog-post_7.html

https://anchinharakharkolkata.blogspot.in/2012/11/blog-post_8.html

https://anchinharakharkolkata.blogspot.in/2012/04/as-hish-anchinhar.html

https://anchinharakharkolkata.blogspot.in/2011/10/blog-post_6385.html

आशीष अनचिन्हार



मूल नाम--आशीष कुमार मिश्र

माता--श्रीमती गम्भीरा मिश्र

पिता- श्री कृष्ण चंद्र मिश्र

गाम--भटरा घाट (बिस्फी)

जन्म--4/12/1985

मैथिली गजल एवं शेरो-शाइरीपर केंद्रित इंटरनेट पत्रिका (ब्लाग रूपमे) “अनचिन्हार आखर” http://anchinharakharkolkata.blogspot.com/ केर संस्थापक ओ संपादक।

प्रकाशित कृति---

1) अनचिन्हार आखर (गजल, रुबाइ ओ कता संग्रह)

2) मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास (ई भर्सन प्रकाशित)

श्री गजेन्द्र ठाकुरजीक संगे सह-संपादित पोथी

1) मैथिली गजल: आगमन ओ प्रस्थान बिंदु (गजलक आलोचना-समालोचना-समीक्षा), ई-भर्सन प्रकाशित

2) मैथिलीक प्रतिनिधि गजल (1905सँ 2016 धरि), ई-भर्सन प्रकाशित

सम्मान--

बर्ख 2014 लेल विदेह भाषा सम्मान (समानान्तर साहित्य अकादेमी सम्मान)सँ पोथी “अनचिन्हार आखर” (गजल संग्रह) लेल सम्मानित।

संपर्क - ashish.anchinhar@gmail.com

अंतर्जाल आ मैथिली

गजेन्द्र ठाकुर

पूर्वपीठिका :
इंटरनेट पर ई-प्रकाशित करबाक उद्देश्य सँ एक टा फॉरमक स्थापना होयबाक चाही जाहि मे लेखक आ पाठकक बीच एक टा एहन माध्यम होअय जे कतहु सँ चौबीसो घंटा आ सातो दिन उपलब्ध होअय। जाहि मे प्रकाशनक नियमितता होअय आ जाहि सँ वितरणक समस्या आ भौगोलिक दूरीक अंत भ' जाय। फेर सूचना-प्रौद्योगिकीक क्षेत्र मे क्रांतिक फलस्वरूप एक टा नव पाठक आ लेखक वर्गक हेतु, पुरान पाठक आ लेखकक संग, फॉरम प्रदान कयनाइ सेहो एकर उद्देश्य होयबाक चाही। हम इंटरनेट पर मैथिलीक काज प्रारम्भ कयने रही 2000 ई. मे याहू जियोसिटीज पर। 2000-2001 मे मुदा ओ सभ साइट याहू द्वारा सेवा समाप्तिक बाद डिलीट भ'गेल। 5 जुलाइ, 2004 कैं बनाओल 'भालसरिक गाछ' http//www. videha. com/2004/07/bhalsarik-gachh.html पर एखनो उपलब्ध अछि, मैथिलीक इंटरनेट पर प्रथम उपस्थितिक रूप मे अखनो विद्यमान अछि। शुरू मे आस्की फॉण्ट क्रुतिदेव, शुशा सभ साइट लेल प्रयुक्त होइत छल। पहिने ई उपयोगी छल, मुदा आब सर्च इंजिन मे यूनिकोड-यू.टी.एफ 8 केर सर्च होइत छै आ आस्की मे लिखल देवनागरीक सर्च नहि भ' पबैत अछि। विन्डोज मे मंगल वर्णमुख (फॉण्ट) अबैत छै से यूनीकोड मे छै आ एहि मे लिखल देवनागरी सर्च भ' जाइत अछि। मिथिलाक्षरक यूनीकोड रूपक आवेदन (अंशुमन पाण्डेय द्वारा देल गेल) लंबित अछि जाहि मे बर्कले विश्वविद्यालयक प्रोफेसर डेबोराह एन्डरसन, Project Leader, Script Encoding Initiative, Dept. of Linguistics, UC Berkeleyक आग्रह पर हमहूँ योगदान देने रही। पाठक आ लेखक दुनू कम रहथि, मुदा जेना-जेना यूनीकोड आधारित अन्वेषण यंत्र गूगल, लाइव आ आस्क डॉट कॉम द्वारा विकसित भेल तेना-तेना अंतर्जाल पर मैथिली पाठक आ लेखक मे वृद्धि होइत गेल।

मैथिली आ अंतर्जाल :
किछु अंतर्जाल जेना विदेह, कतेक रास बात (आदि यायावर, राजीव रंजन लाल, करन समस्तीपुरी आ कुन्दन कुमार मल्लिक), प्रकांरातर-मिथिला दर्पण (विजय ठाकुर), हेलो मिथिला (धीरेद्र प्रेमर्षि वला), हेलो मिथिला (हितेंद्र गुप्ता बला), मिथिला मिहिर (अविनाश), ई-समाद (आशीष झा), टोला (गिरीन्द्र नाथ झा), मिथिला टोल (विनीत उत्पल), मैथिली टाइम्स (बिपिन बादल), मिथिला डाट कम (सुजीत झा, जनकपुर), सिंगरहार (विवेकानंद झा), मैथिल आर मिथिला (जितमोहन झा जीतू), अनचिन्हार आखर, कोलकाता (आशीष अनचिन्हार), देसिल बयना (कृष्णमोहन झा), देसिल बयना (मंजीत ठाकुर), मिथिला समाचार (शैलेश झा), जनकपुर न्यूज (जीतेन्द्र झा, जनकपुर), मैथिल वाइ एन झा (यशोनाथ झा), मिथिला न्यूज डॉट कॉम (हितेन्द्र गुप्ता), http//mjnk.co.cc/ आ http// www.terainepal.co.cc/ सुरेश यादव, जनकपुर, कौतुक रमणक ब्लोग आदि मैथिलीक किछु प्रमुख जालस्थल अछि। एकरा अलाबे मिथिला समाद दैनिकक ब्लोग (रूपेश झा त्योथ द्वारा संचालित), जानकी एफ.एम. (जनकपुर) मैथिली समाचार रेडियोक साइट, कान्तिपुर एफ.एम. (जनकपुर)क साइट, मिथिलांगन डाट ओ.आर.जी., मैलोरंग नाट्य संस्थाक ब्लॉग, मिथिला विहार, मिथिला लाइव, मिथिला नेट, मिथिला ओनलाइन, मिथिला दर्पणक साइट, सी-डैक पुणेक अओजार आ फॉण्ट आ जय मिथिला, वाई.एम.एम.एम. सन किछु आर महत्त्वपूर्ण रचनात्मक साइट अछि। एत' साहित्य, समाचार, मैथिली ऑडियो, मैथिली वीडियो, मिथिला चित्रकला, इलेक्ट्रोनिक मैथिली पोथी सभ किछु अछि!...

मैथिली मे जालस्थल निर्माण:
पहिने कोनो ऑनलाइन प्रतिष्ठित संस्था सँ प्रदेश नाम (डोमेन नेम) कीनू। उदाहरणस्वरूप रिडिफ डॉट कॉम पर जाऊ आ रिडिफ होस्टिंग पर क्लिक करू। ओत' बुक यूअर डोमेन पर जाक' इच्छित नाम टिक क' देखू जे ओ उपलब्ध अछि आकि नहि। अहाँ अपन जालस्थलक हेतु उपयुक्त डोमेन नेम क्रेडिट कार्ड सँ ऑनलाइन कीनि सकैत छी। ई सस्ता छै, दस डॉलर प्रतिवर्ष एकर अधिकतम मूल्य छै। तकरा बाद जालोद्वहन सेवा (वेब होस्टिंग सर्विस)क लिंक पर जाऊ। 5 वा दस साल लेल 100 एम.बी. स्थानक संग जालोद्वहन सेवा लिअ'। आ एकरा संग माय एस.क्यू.एल. सेवा मुफ्त छै, मुदा ओहि मे लाइनेक्स पर काज कर'पड़त जे कनेक कठिनाह/तकनीकी भ'सकैत अछि, से माइक्रोसॉफ्ट एस.क्यू.एल. सेवा किछु आर पाइ लगा क' अहाँ कीनि सकैत छी। आब अहाँ लग 20 एम. बी. केर एस.क्यू.एल. दत्तनिधि (डाटाबेस) आ 80 एम.बी. केर साइट लेल जगह बाँचत (माने पूरा 100 एम.बी.) आ से पर्याप्त अछि। माइक्रोसॉफ्ट एस.क्यू.एल. सेवा लेलाक उपरांत अपन माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल संचिका ओत' चढ़ा सकैत छी आ तकर उपयोग अपन जालस्थल पर एक टा मध्यस्थ (इन्टरफेस) बना क' अहाँ क' सकैत छी। एस.क्यू.एल. आधारित ओनलाइन सर्चेबल डिक्शनरी सेहो अंतर्जाल पर अछि (विदेह कोश)। एहि लेल अपन दत्तसंग्रह कोनो तन्त्रांश जेना ई.एम.एस. एस.क्यू.एल.मैनेजरक माध्यमे अपन वितरक पर चढ़ाओल जाइत अछि आ अपन जालस्थलक पृष्ठ पर मध्यस्थ (इंटरफेस) देल जाइत अछि।

आब जालस्थल (वेबसाइट) बनेबाक विधि पर विचार करी। माइक्रोसॉफ्ट फ्रंट पेज ऑफिस एक्स.पी.क संग अबैत अछि। ऑफिस 2003 मे सेहो ई अलग सँ उपलब्ध अछि। फ्रंटपेज मे बनल-बनाओल वेबसाइट विजार्ड चलाऊ। मोटा-मोटी पाँच पृष्ठक जाल-स्थल बनि जायत। एहि मे वाम कात राइट क्लिक क' पृष्ठक संख्या बढ़ा सकैत छी। ऊपर मे स्थित थीम सँ अपन इच्छा मोताबिक बनल-बनाओल डिजाइन सेहो ल' सकैत छी। साइटक कोनो पृष्ठ केँ अहाँ फोटो एलीमेन्ट द्वारा फोटो गैलरी मे परिवर्तित क' सकैत छी आ 3-4-5-6 स्तम्भ मे फोटो सभ सजा सकैत छी।

गूगल आ वर्डप्रेस द्वारा जालवृत्त खोलबाक लेल बहुत रास बनल बनायल परिकल्पित नमूना स्थल निर्माण लेल उपलब्ध अछि आ ओत' लेखन, संदेश आ टिप्पणीक लेल असीमित दत्तांशनिधि उपलब्ध अछि, जत' जालोद्वहन मँगनी मे देल जा रहल अछि। ई सभ जालवृत्त निर्माण स्थल उपभोक्ता केन्द्रित अछि आ एत' सरल लेखन-पद्धतिक व्यवस्था सेहो कयल गेल अछि।

लाभ-हानिः
अंतर्जाल पर सूचनाक त्वरित सम्प्रेषण होइत अछि, मुदा एकर उपयोग सँ बेसी दुरुपयोगक संभावना रहैत अछि। खास क' नाम बदलि क' विभिन्न आइ.एस.पी. सँ कमेन्ट आ ब्लैकमेल केनाइ आदि। ओकरा उघार करबाक विधि सेहो अछि, मुदा से ऊर्जाक अपव्यय सेहो करबैत अछि। जत' इंटरनेटक स्पीड कम छैक वा इंटरनेट महग छैक ओत' सामग्री pdf स्वरूप मे संग्रहण कयल जा सकैत अछि, जकरा डाउनलोड क' पाठक अपन कम्प्युटर मे सुरक्षित राखि सकैत छथि आ अपना सुविधानुसारे पढ़ि सकैत छथि। कोनो फाइल केँ पढ़बाक हेतु कंप्युटर मे आवश्यक फॉण्ट होयब जरूरी अछि, नहि तँ सभ सँ सरल उपाय अछि शब्द-संसाधक मे बनल लेख (वर्ड डोक्युमेंट) केँ पी.डी.एफ. फाइल मे परिवर्त्तित करब। एहि मे नफा नुकसान दुनू अछि। नफा जे बिना कोनो फांटक झंझटिक पी.डी.एफ.फाइल जाइ काँटा/वर्णमुख/ लिपि मे लिखल गेल अछि, ताहि मे पढ़ल जा सकैत अछि। एकर नुकसान जे जखने फाइल मे जा क' सेव एज टेक्स्ट करब तँ अंग्रेजी तँ सेव भ' जायत मुदा देवनागरी तेहन सेव होयत जे पढ़ि नहि सकब।

अंतर्जाल प्रवासी मैथिलक लेल वरदान सिद्ध भेल अछि आ एहि मैथिल मे बच्चा आ महिलाक संग जाहि तरहेँ सवर्णेतर पाठक आ लेखक जुटलाह से अद्‌भुत अछि।

आ एत' मैथिली केँ देल स्लो-पोइजनिंगक विरुद्ध काज होइत अछि। मैथिलीक नाम पर कोनो कम्प्रोमाइज नहि भेटत। सुच्चा मैथिली पाठक। एखन तेहन कोनो गोलौसी नइँ। व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षा मे कटाउझ करैत बिन पाठकक पत्रिका नइँ अछि ई जे स्वयं मरि रहल अछि आ मैथिली केँ मारि रहल अछि। ओना मैथिलीक किछु जालवृत्त पर सेहो जातिगत कटाउझ आ अपशब्दक प्रयोग देखबा मे आयल अछि आ से केनिहार व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षा बला सभ छथि। अंतर्जाल पर ई-प्रकाशित रचना केँ हजारक-हजार पाठकक स्नेह आ ऑनलाइन कामेन्ट प्राप्त होइत अछि। राष्ट्रीय सर्वेक्षण ई देखबैत अछि जे संस्कृत, हिन्दी, मैथिली आ आन साहित्य कॉलेज मे वैह पढ़ैत छथि जिनका प्रायः दोसर विषय मे नामांकन नहि भेटैत छनि, पत्रकारिता मे सेहो यैह सभ अबैत छथि। प्रतिभा विपन्न एहने साहित्यसेवी केँ साहित्यक चश्का लागल छनि आ हिनके हाथ मे मैथिली भाषाक भविष्य सुरक्षित रहत? मैथिली जे सीमित प्रतियोगी (दुर्जेय!) सभक आपसी महत्त्वाकांक्षाक मारिक बीच मरि रहल छलि ताहि मे अंतर्जाल हस्तक्षेप कयलक अछि। विज्ञान कथा, बाल-किशोर कथा-कविताक एत' अमार लागल अछि, मिथिलाक भाषाक कोमल आरोह-अवरोह, एतुक्का सर्वहारा वर्गक सर्वगुणसंपन्नता, संगहि एतुक्का रहन-सहन आ संस्कृतिक कट्टरता आ राजनीति, दिनचर्या, सामाजिक मान्यता, आर्थिक स्थिति, नैतिकता, धर्म आ दर्शन सभ वस्तु एत' अछि। मात्र मैथिल ब्राह्मण नीक मैथिली लिखि सकै छथि से तथ्य जालवृत्त पर पोस्ट भेल असंपादित रचना झूठ सिद्ध करैत अछि। आ से गैर ब्राह्मण आ गैर कर्ण कायस्थ पाठक आ लेखक सभ पुरना ढंगक मैथिली पाठक आ लेखकक सोझा प्रतिमान प्रस्तुत करैत अछि जे ओ गलत नइँ बाजि रहल छथि, वरन मैथिली गलत लिखल जा रहल छल। आ मैथिली साहित्य एकभगाह भ' जयबा सँ बचि जाइत अछि। आ अंतर्जाल सँ प्रिंट मे प्रवेश सेहो सरल अछि। कारण प्रकाशक केँ बनल बनाओल सामग्री प्राप्त होइत छनि, खर्चा बचि जाइ छनि।



अंतर्जाल पर मैथिलीक भविष्यः
जहिया प्रेस आयल छल तँ ओकरा बुर्जुआ वर्गक होयबाक विशेषण भेटल रहय। उपन्यास सेहो प्रेस अयला पर आयल से ओहो बुर्जुआ साहित्य कहाओल, मुदा आस्ते-आस्ते ओ धारणा खत्म भेल। अंतर्जालक साहित्य सेहो प्रिंट साहित्यक पूरक रहबे करत। जे लोक कम्प्यूटर स्क्रीन पर नइँ देखताह से प्रिंट क' देखताह। आ प्रिंट ओन डीमांडक सुविधा सेहो पोथी डाट काम आ आन साइट/प्रकाशक द' रहल छथि। मैथिली लेल अंतर्जाल द्वारा प्रकाशनक नियमितता, वितरणक समस्याक समाप्ति, शून्य लागत आ भौगोलिक दूरीक अंत एक टा वरदान सिद्ध भेल अछि।



संपर्क : 389, पॉकेट-सी,
सेक्टर-ए, वसंत कुंज
नई दिल्ली-110070
मोबाइल : 9911382078
ई-मेल : ggajendra@gmail.com

